WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

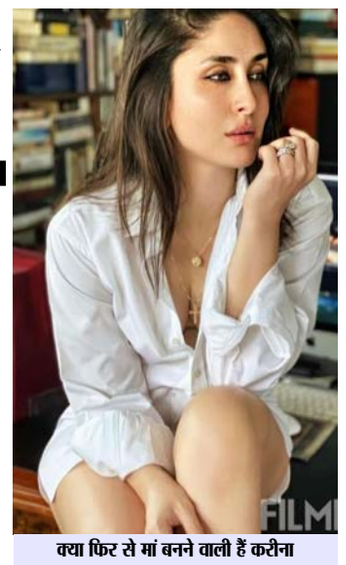

क्या फिर से मां बनने वाली हैं करीना

वर्षः 01 अंक : 235 | लखनऊ, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

मोदी ने की पारदर्शी कर व्यवस्था ईमानदारों के सम्मान की शुरुआत

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पारदर्शी कर व्यवस्था-ईमानदारों को सम्मान की शुरुआत की। इस व्यवस्था के तहत करदाताओं के लिए तीन सुविधाएं प्रारंभ की गई हैं, एक चेहरारहित मूल्यांकन, चेहरारहित अपील और करदाता चार्टर। इसमें से दो सुविधाएं चेहरारहित मूल्यांकन और करदाता चार्टर आज से अमल में आ गए जबकि चेहरारहित अपील 25 सितंबर से लागू होगी। श्री मोदी के कहा इस नए तंत्र का मकसद ईमानदार करदाताओं को मजबूत करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री ने चेहरारहित फेसलेस का अर्थ समझाते हुए बताया करदाता कौन है और आयकर अधिकारी कौन है, उससे कोई मतलब नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा पहले शहर का ही आयकर विभाग जांच-पड़ताल करता था, किंतु नये तंत्र में किसी भी राज्य या शहर का अधिकारी कहीं की भी जांच कर सकता है। यह सब कुछ कंप्यूटर से निर्धारित होगा कि कौन सा कर मूल्यांकन कौन अधिकारी करेगा। यहां तक कि मूल्यांकन की समीक्षा भी किस अधिकारी के पास जायेगी, यह किसी को मालूम नहीं चलेगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि आयकर अधिकारियों से जान पहचान बनाने और दबाव बनाने जैसे हथकंडे नहीं चलेंगे और अनावश्यक मुकदमेबाजी से भी बचा जा सकेगा। नयी प्रणाली से उन लोगों को दिक्कतें होगीं, जो गलत तरीके अपनाकर कर भुगतान से बच थे। पारदर्शी कर व्यवस्था के तहत चेहरारहितअपील सुविधा 25 सितंबर से लागू होगी। इसके तहत करदाताअपील कर सकेंगे। इसके चेहरारहित होने का अर्थ है कि यह किसी अधिकारी को पता नहीं चलेगा कि अपील करने वाला व्यक्ति कौन है। सब कुछ कंप्यूटर से तय होगा। उन्होंने कहा करदाताओं को कर देना और सरकार के लिए कर लेना हक का विषय नहीं, बल्कि ये दोनों की जिम्मेदारी है। कर इसलिए देना है, क्योंकि उसी से तंत्र चलता है, बड़ी आबादी के प्रति देश अपना फर्ज निभा सकता है, इसी कर से स्वयं भी करदाताओं बेहतर और ढांचागत सुविधाएं मिलती हैं।

स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को सम्बोधित करेंगे कोविंद

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 74वें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्र को सम्बोधित करेंगे। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी बयान में कहा गया है कि श्री कोविंद कल शाम राष्ट्र के नाम सम्बोधन देंगे। इसका प्रसारण शाम सात बजे से आकाशवाणी के सभी राष्ट्रीय नेटवर्कों एवं दूरदर्शन के सभी चैनलों पर हिन्दी और अंग्रेजी में बारी-बारी से किया जायेगा। श्री कोविंद के 'राष्ट्र के नाम सम्बोधन' का प्रसारण दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनलों पर क्षेत्रीय भाषाओं में भी किया जायेगा। आकाशवाणी के क्षेत्रीय नेटवर्कों पर रात साढ़े नौ बजे संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण होगा।

मुख्यमंत्री ने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग को और तेज किए जाने पर बल दिया

कन्टेनमेंट जोन में सभी लोगों का कोविड टेस्ट करने का प्रयास किया जाएः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के कार्य को और तेज किए जाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के माध्यम से कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। इसके दृष्टिगत यह कार्य अत्यन्त सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जाना चाहिए कि कन्टेनमेंट जोन में सभी लोगों का कोविड टेस्ट हो जाए। तभी कन्टेनमेंट जोन बनाने का उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने होम आइसोलेशन में रहने वाले कोविड मरीजों से नियमित संवाद बनाकर उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते रहने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कोविड अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जनपद कानपुर नगर, लखनऊ तथा वाराणसी के कोविड चिकित्सालयों

में बेड्स की संख्या बढ़ाई जाए। लखनऊ के कैंसर संस्थान में डेडिकेटेड कोविड चिकित्सालय स्थापित किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक जनपद में एल-2 कोविड चिकित्सालयों के बेड्स की संख्या को बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जनपदों में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के लिए कृषि सम्बन्धी अन्य सामग्री की सुचारु व्यवस्था भी बनाए रखी जाए। उन्होंने गत दिवस कतिपय क्षेत्रों में बिजली उपभोक्ताओं की बाधित विद्युत आपूर्ति के प्रकरण की जांच एस0टी0एफ0 से कराए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि जांचोपरान्त दोषी पाए गए लोगों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ के दृष्टिगत पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री समय से उपलब्ध कराई जाए। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में फसल को हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

घरेलू उद्योगों को पांच वर्षों में चार लाख करोड़ के आर्डरः राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि देश रक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर नहीं रह सकता इसलिए रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढावा देने के लिए अगले पांच से सात वर्षों में घरेलू उद्योगों को करीब चार करोड़ रूपये के आर्डर दिये जायेंगे। श्री सिंह ने यहां 'आत्मनिर्भर भारत सप्ताह' समारोह में वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये हिस्सा लेते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए सुरक्षा पहली प्राथमिकता होती है। सब जानते हैं जो राष्ट्र स्वयं अपनी सुरक्षा कर सकने में समर्थ हैं, वही वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत छवि बना पाये हैं। ऐसे में भारत भी अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेशी सरकारों, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं और विदेशी रक्षा उत्पादों पर निर्भर नहीं रह सकता। यह

एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों और भावनाओं के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 101 आइटम की एक नकारात्मक सूची जारी की है। इन चीजों का आयात नहीं किया जायेगा। रक्षा मंत्रालय का अनुमान है कि अगले पाँच से सात वर्षों में घरेलू उद्योगों को लगभग चार लाख करोड़ के आर्डर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम एक तरफ नियंत्रित मूल्य प्रणाली की सीमाओं को दूर करेगा, वहीं दूसरी ओर इससे निगमित प्रबंधन और दक्ष प्रणाली का लाभ मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह घरेलू रक्षा उद्योग और राज्यों की इकाईयों के लिए, एक अभूतपूर्व अवसर है, जो स्वदेशी रक्षा विकास और विनिर्माण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती हैं।

लश्कर के दो ठिकानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो ठिकानों का भंडाफोड़ कर हथियार और गोला-बारूद बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी और उनके ठिकानों के बारे में खुफिया सूचना के बाद राष्ट्रीय राइफल्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने बुधवार की रात पुलवामा के बद्रू बारसो में जंगल में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया।अभियान के दौरान आज सुबह सुरक्षाबलों ने लश्कर के दो ठिकानों का भंडाफोड़ किया दिया। ठिकानों से 1918 एके राउंड, दो हैंड ग्रेनेड, यूबीजीएल थ्रेसर, चार यूबीजीएल ग्रेनेड, अमोनियम नाइट्रेट, जिलेटिन छड़, क्रूड पाइप बम और कोड शीट सहित बड़ी संख्या में हथियार और गोलाबारूद बरामद किये गये हैं।

दिल्ली में कोरोना मामले डेढ़ लाख के करीब, रिकवरी दर में सुधार

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के 956 नये मामले और 29 सक्रिय मामले बढ़ने से महामारी को लेकर चिंता फिर बढ़ गयी है लेकिन राहत की बात यह है कि गुरुवार को मरीजों के स्वस्थ होने की दर में भी आंशिक सुधार दर्ज किया गया। दिल्ली स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 956 नये मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 1,49,460 पर पहुंच गई। सोमवार को केवल 707 नये मामले दर्ज किये गये लेकिन मंगलवार इनकी संख्या बढ़कर 1,257 हो गयी थी। इस दौरान 913 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना वायरस को मात देने वालों का कुल आंकड़ा 1,34,318 हो गया। देश में दिल्ली का स्थान रिकवरी वाले सर्वाधिक राज्यों में है और राहत की बात यह है कि इस दौरान रिकवरी दर में आंशिक वृद्धि दर्ज की गयी। दिल्ली की रिकवरी दर सोमवार को बढ़कर 90.09 प्रतिशत हो गई थी जो बुधवार को घटकर 89.83 प्रतिशत पर आ गयी लेकिन आज यह आंशिक सुधार के साथ 89.86 फीसदी पर आ गयी। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या आज 14 रही और राजधानी में यह जानलेवा वायरस अब तक 4,167 की जान ले चुका है। राजधानी में निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या आज 10 घटकर 513 रह गई।

उप्र में जन्माष्टमी पर बिजली आपूर्ति रही बाधित, मंत्री ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बुधवार की रात को जन्माष्टमी के अवसर पर लाखों घरों में अचानक बिजली चले जाने की घटना की ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। कई शहरों में लगाए गए हजारों स्मार्ट मीटरों ने उन उपभोक्ताओं की भी बिजली आपूर्ति रोक दी, जिन्होंने अपने बिलों का भुगतान कर दिया था। मंत्री ने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो लखनऊ में यूपीपीसीएल मुख्यालय पर नियंत्रण और कमांड सेंटर को गलत तरीके से नियंत्रित करने वालों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। त्योहार के दौरान आपूर्ति की जल्द बहाली सुनिश्चित करने के लिए मंत्री मरम्मत कार्य की निगरानी कर रहे थे। एनर्जी इफिसिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के निदेशक, वेंकटेश द्विवेदी ने ट्वीट किया कि ईईएसएल और एलएंडटी के राज्य प्रमुखों को अपने काम में लापरवाही बरतने को लेकर निलंबित किया गया है।

आतंकी संगठन ने लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराने की दी धमकी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को लेकर इसबार स्वतंत्रता दिवस खास सतर्कता के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम में सीमित लोगों को ही आमंत्रित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इसको लेकर सुरक्षा पर खासा ध्यान दिया जा रहा है। इसबीच एक आतंकी संगठन ने लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराने की धमकी दी है, जिसके बाद दिल्ल्ली पुलिस ने अपनी सतर्कता और बढ़ा दी है। लाल किले पर लगभग 4,000 सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। सेना, नौसेना और वायु सेना के रक्षा कर्मी लालकिले पर मार्च करेंगे। इससे पहले पुलिस ने कहा था कि लालकिले के आसपास एक बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा होगा जिसमें एनएसजी स्नाइपर्स, स्वाट कमांडो आदि तैनात रहेंगे।

विधानसभा सत्र से पहले गहलोत का भावुक बयान

जो हुआ उसे भूल जाओ, अपने तो अपने होते हैं,हम खुद विश्वास प्रस्ताव लाएंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की गुरुवार को मुलाकात हुई। 20 जून के बाद दोनों नेता पहली बार मिले। मुलाकात गहलोत के घर पर विधायक दल की बैठक से पहले हुई और इससे कांग्रेस को काफी राहत मिली। अशोक गहलोत का कॉन्फिडेंस भी झलका। बैठक में राजस्थान के सीएम गहलोत भावुक भी हुए, विधायकों की नाराजगी पर कहा कि जो हुआ भुला दो। अपने तो अपने होते हैं। इन 19 विधायकों के बिना बहुमत साबित कर देते, पर खुशी नहीं मिलती। गहलोत ने कहा कि हम खुद विश्वास प्रस्ताव लाएंगे। जो विधायक नाराज हैं, उनकी नाराजगी दूर करेंगे.. वो चाहें तो अभी मिल लें या चाहें तो बाद में। पार्टी के वरिष्ठ नेता केके वेणुगोपाल ने कहा

कि कांग्रेस का परिवार एक है और कल सत्र में कांग्रेस अपनी एकता दिखाएंगे। सचिन पायलट की कांग्रेस से सुलह के बाद उनके गुट के विधायकों को भी राहत मिलनी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने पायलट खेमे के भंवरलाल शर्मा और विश्वेंद्र सिंह का निलंबन वापस ले लिया है। हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होने के आरोपों की वजह से दोनों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई थी। इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फिर दोहराया है कि हमें फॉरगेट एंड फॉरगिव, आपस में भूलो, माफ करो और आगे बढ़ो की भावना के साथ डेमोक्रेसी को बचाने की लड़ाई में जुटना है। कांग्रेस की लड़ाई तो सोनिया गांधी और राहुल गांधी की लीडरशिप में डेमोक्रेसी को बचाने की है। पिछले एक महीने में कांग्रेस में आपस में जो भी ना-इत्तेफाकी हुई है, उसे देश हित में, प्रदेश हित में, प्रदेशवासियों के हित में और लोकतंत्र के हित में भूल जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि देश में चुनी हुई सरकारों को एक-एक कर तोड़ने की साजिश चल रही है। जांच एजेंसियों और ज्यूडिशियरी का गलत इस्तेमाल हो रहा है। ये डेमोक्रेसी को कमजोर करने का बहुत खतरनाक खेल है।

भारी बारिश का कहर कच्ची दीवार ढहने से पिता-पुत्र की मौत

सुलतानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के हलियापुर थानाक्षेत्र में भारी बारिश के कारण कच्ची दीवार ढहने से पिता-पुत्र की मौत हो गयी जबकि इस घटना में दो अन्य लोग घायल हुए हैं। थाना प्रभारी अरशद खान ने बृहस्पतिवार को बताया कि 55 वर्षीय राम अचल का कच्चा मकान हलियापुर कस्बे में है। बुधवार रात भारी बारिश के चलते दीवार ढह गयी, जिसके मलबे में दबकर राम अचल और उनके पुत्र 16 वर्षीय राम हृदय की मौत हो गयी। खान ने बताया कि हादसे में राम अचल की पत्नी बचाना देवी और पुत्री आरती गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुदीक्षा भाटी की मौत का मामला

एसआईटी ने भाई से ली घटना की जानकारी

नोएडा, एजेंसी। अमेरिका के एक कॉलेज की मेधावी छात्रा सुदीक्षा भाटी की मौत के मामले की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) बृहस्पतिवार को छात्रा के गांव पहुंचा और उसने परिजनों से बात कर घटना की जानकारी ली। एसआईटी ने घटना के समय छात्रा के साथ मौजूद उसके भाई से भी बात की। क्षेत्राधिकारी (नगर) दीक्षा सिंह के नेतृत्व में एसआईटी यहां पहुंची। सिंह ने बताया कि सुदीक्षा की मौत के जिम्मेदार लोगों तक पहुंचने के लिए हर कोशिश जारी है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से लेकर औरंगाबाद थाने तक दर्जन भर से अधिक वीडियो फुटेज कब्जे में लेकर उसकी जांच की जा रही है। उन्होंने ने बताया कि करीब 25 बुलेट मोटरसाइकिल को थाने में लाया गया है। इन मोटर साइकिलों की पहचान मृतका के परिजनों से कराई जाएगी। मृतका के

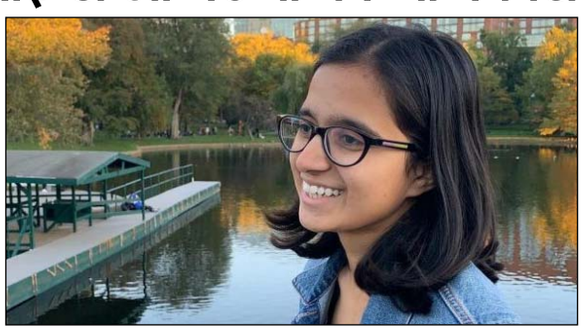

भाई ने पुलिस को बताया था कि जिस मोटरसाइकिल से दुर्घटना हुआ उसके पीछे जाट लिखा था। पुलिस ने ऐसे चार बुलेट मोटरसाइकिल पकड़ी है, जिसके पीछे जाट लिखा है। जहां यह घटना हुई है, वह जाट बहुल क्षेत्र है। एसआईटी से बातचीत के दौरान मृतका के पिता ने दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलवाने की मांग की। अधिकारी ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर बाइकसवार दो अज्ञात युवकों के खिलाफ औरंगाबाद थाने में मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में गैर इरादतन हत्या समेत संबंधित पांच धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी की कॉपी में पीड़िता के पिता ने छेड़छाड़ जैसी किसी बात का जिक्र नहीं किया है।

सुशांत सिंह राजपूत केस

सीबीआई सुप्रीम कोर्ट से बोला, हमें और ईडी को इंवेस्टिगेशन करने दें

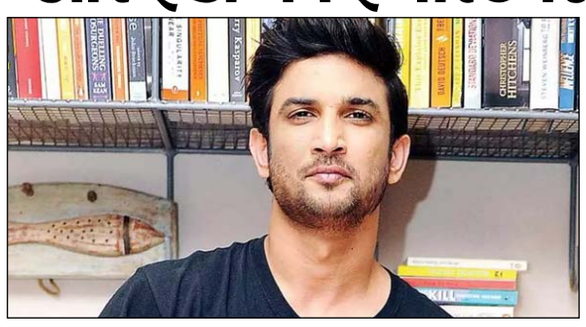

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत केस की सुनवाई आज सुप्रीम कोर्ट में हुई। बिहार पुलिस और रिया चक्रवर्ती दोनों ने ही अपनी दलील रखी। रिया चक्रवर्ती ने हलफनामे में एक्टर के केस को मुंबई ट्रांसफर करने की बात कही। वहीं, पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनय तिवारी जो मुंबई पुलिस को अग्रिम सूचना के साथ 2 अगस्त को मुंबई पहुंचे थे। उनको मुंबई पुलिस ने क्वारंटाइन के नाम पर हिरासत में लिया था। वहीं बिहार सरकार सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा कि सुशांत मामले की जांच करने के लिए बिहार पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुशांत सिंह राजपूत केस में सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 56 गवाहों के बयान दर्ज करने की मुंबई पुलिस की कार्रवाई किसी कानून के बैकअप के तहत नहीं है। हमें और ईडी को मिलकर इस केस की छानबीन करने दिया जाए। साथ ही मुंबई केस ट्रांसफर करने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। ईडी ने सुशांत सिंह राजपूत के स्टाफ मेंबर्स और कुछ पुराने कर्मचारियों को पूछताछ के लिए समन भेजा है। ईडी उन सभी से ये समझने की कोशिश करेगा कि कैसे सुशांत उनकी सैलरी दिया करते थे।

अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी बीजेपी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहा है. उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके समर्थकों की नाराजगी दूर होने के बाद ऐसा लग रहा था कि राजस्थान में सियासी संकट खत्म हो चुका है. लेकिन अब भाजपा ने मोर्चा संभाल लिया है. भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाएगी. भाजपा विधायक दल की बृहस्पतिवार को यहां हुई बैठक में यह फैसला किया गया. नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि विधानसभा के शुक्रवार से शुरू हो रहे सत्र में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा. विपक्ष की इस चुनौती के बाद अब अशोक गहलोत सरकार को सरकार बचाने के लिए फ्लोर टेस्ट में बहुमत साबित करना होगा।

मोदी सर्वाधिक दिन सत्ता संभालने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सबसे अधिक दिन देश की सत्ता संभालने वाले पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री बनने का गौरव हासिल किया। पहले यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक अटल बिहारी वाजपेयी के नाम थी। श्री वाजपेयी तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने और कुल मिलाकर इस पद पर 2,268 दिन रहे। श्री वाजपेयी पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने और मात्र 13 दिन इस पद पर रहे। इसके बाद 1998 में प्रधानमंत्री बने और 13 माह तक सत्ता संभाली। तीसरी बार 1999 में बने और 2004 तक देश के प्रधानमंत्री रहे । श्री वाजपेयी को देश का पहला गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री होने का श्रेय है जिन्होंने अपना

कार्यकाल पूरा किया। भाजपा ने 2014 का आम चुनाव श्री मोदी की अगुवाई में लड़ा और पहली बार अपने बूते पर लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 273 सीटें हासिल की। तीन दशकों में पहली बार किसी दल ने अपने बूते बहुमत हासिल किया था। चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) के तौर पर लड़ा गया और चुनाव बाद श्री मोदी की अगुआई में 26 मई 2014 को केंद्र में राजग की सरकार बनी। वर्ष 2019 में राजग ने फिर श्री मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और पहले से अधिक प्रचंड बहुमत हासिल किया। राजग को कुल 343 और भाजपा ने इसमें अकेले 303 सीटों पर परचम लहराया। श्री मोदी इस बार लगातार सातवीं बार स्वतन्त्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से झंडा फहरायेंगें।वैसे देश में प्रधानमंत्री के पद पर सबसे लंबे समय तक रहने का रिकार्ड पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम दर्ज है। श्री नेहरु 16 वर्ष 286 दिनों तक देश के प्रधानमंत्री रहे। दूसरे नंबर उनकी पुत्री इंदिरा गांधी का है जो 15 वर्ष 350 दिनों इस पद पर रहीं। तीसरे स्थान पर डा. मनमोहन सिंह हैं। गुलजारी लाल नंदा ने सबसे कम सिर्फ 13 दिन यह पद संभाला। लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद वह 11 जनवरी 1966 से 24 जनवरी 1966 तक 13 दिनों के लिए कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे।

विधानसभा के पुरूषोत्तम दास टन्डन सभागार मे अध्यक्ष हदय नारायण दीक्षित के कक्ष मे भाजपा से राज्य सभा का पर्चा दाखिल करने पहुच जय प्रकाष निषाद के साथ उप्र0के मुख्य मंत्री योगि आदित्यनाथ व अन्य मंत्री।

देश में बेतहाशा बढ़ रहे कोरोना मरीजों की संख्या चिंता का विषय

लॉकडाउन प्रभावी करने के लिए प्रधानमंत्री को पुनः लिखा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके ईमेल आईडी पर एक विस्तृत पत्र लिखकर देश के 12 राज्यों में 15 दिन का लॉक डाउन प्रभावी करने की अपील किया है। उन्होंने अवगत कराया है कि देश में कोरोना मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। प्रतिदिन लगभग 67000 कोरोना केसेस बढ़ रहे हैं, जिससे लोगों में भय व्याप्त हो रहा है। महाराष्ट्र ,तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक,दिल्ली, वेस्ट बंगाल, बिहार, तेलंगाना, गुजरात, असम, राजस्थान, एवं उत्तर प्रदेश ,12 ऐसे राज्य हैं, जिनमें कोरोना मरीजों की संख्या 50000 या उससे अधिक है। 50,000 से अधिक मरीजों की संख्या वाले राज्यो में उड़ीसा और हरियाणा शीघ्र ही सम्मिलित हो

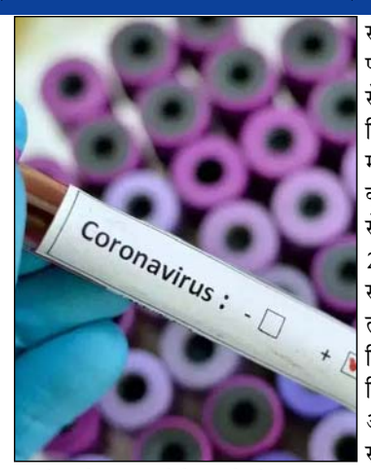

जाएंगे क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी कोरोना मरीजों की संख्या लगभग 48000 के आसपास है। जे एन तिवारी ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया है कि पूरे देश में कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 23 लाख 96 हजार के पार पहुंच चुकी है, जिनमें से 653000 से भी अधिक सक्रिय मरीज है, जो चिंता का विषय है। देश में कोरोना मरीजों की कुल संख्या देश की कुल आबादी का 0.184: है इनमें से सक्रिय मरीजों की संख्या 27.64: है। देश में कुल मरीजों की संख्या का 86.76: मरीज महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटका, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, गुजरात,असम और राजस्थान में है। इन राज्यों में सक्रिय मरीजों की संख्या देश में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या का 85.93: है जबकि इन 12 राज्यों में कोरोना से मरने वालों की संख्या देश में कुल मरने वालों की संख्या का 91.66: है। यदि इन 12 राज्यों में 15 दिन का लॉकडाउन प्रभावी कर दिया जाता है तो निश्चित रूप से देश के स्तर पर कोरोना केसेस की बढ़ोतरी पर रोक लग जाएगी। देश की अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए लॉक डाउन हटाया गया है परंतु लोगों की सुरक्षा अर्थ व्यवस्था बढ़ाने से कहीं अधिक जरूरी है। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों में भी कोरोना संक्रमण की संख्या बहुत अधिक हो रही है। अब एसिंप्टोमेटिक मरीज भी हैं जो कोरोना से ग्रसित हैं एवं बाहर निकलकर संक्रमण का खतरा बने हुए हैं। ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग, एवं मास्क लगाने के दिशा निर्देशों का भी पालन नहीं हो पा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि इन 12 राज्यों में 15 दिन का लॉक डाउन प्रभावी कर दिया जाए ताकि देश की 130 करोड़ जनसंख्या को कोरोना से सुरक्षित किया जा सके।

माया ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाये

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी(बसपा) अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में अपराध-नियंत्रण व कानून-व्यवस्था के मामले में पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में भला फिर अब क्या अन्तर रह गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था दम तोड़ रही है। बुधवार को अलीगढ़ में स्थानीय भाजपा विधायक और पुलिस द्वारा एक-दूसरे पर मारपीट का लगाया गया था। आरोप और मारपीट अति-गंभीर और काफी चिन्ताजनक है। उन्होंने इस प्रकरण की न्यायोचित जांच कराकर जो भी दोषी हो उसके खिलाफ सख्त कारर्वाई की मांग की। मायावती ने गुरूवार को ट्वीटकर कहा'' यूपी में अब कानून-व्यवस्था दम तोड़ रही है।

कल अलीगढ़ में स्थानीय भाजपा विधायक व पुलिस द्वारा एक-दूसरे पर लगाया गया आरोप व मारपीट अति-गंभीर व काफी चिन्ताजनक। इस प्रकरण की न्यायोचित जाँच होनी चाहिए व जो भी दोषी हैं उनके विरूद्ध सख्त कारर्वाई होनी चाहिए, बीएसपी की यह माँग है। उन्होंने कहा ''साथ ही, यूपी में इस प्रकार की लगातार हो रही जंगलराज जैसी घटनाओं से यह स्पष्ट है कि खासकर अपराध-नियंत्रण व कानून-व्यवस्था के मामले में सपा व बीजेपी की सरकार में भला फिर क्या अन्तर रह गया है? सरकार इसपर समुचित ध्यान दे, बीएसपी की जनहित में यही सलाह।

प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियों को स्वतंत्रता दिवस तक चौकन्ना रहने के निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। आजादी की 73वीं सालगिरह के मौके पर राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा गड़बड़ी फैलाये जाने की आशंका के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में सुरक्षा बल और गुप्तचर एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। अयोध्या में पिछले दिनो राममंदिर के भूमि पूजन के दौरान सुरक्षा एजेंसियां पहले ही सतर्कता बनाये हुये थी जिन्हे स्वतंत्रता दिवस तक चौकन्ना रहने के निर्देश दिये गये हैं। पिछले दिनो पत्रकारों के मोबाइल फोन पर फर्जी फोन काल और व्हाट्सएप मैसेज आये। विदेशों से किये गये इन फोन काल और संदेशों में राष्ट्र विरोधी संदेश प्रसारित किये गये जिसे लेकर सुरक्षा और पुख्ता कर दी गयी है। अपर पुलिस महानिदेशक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी और महानिरीक्षक संवेदनशील जिलों में डेरा डाले हुये

है। सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है। लखनऊ में विधान भवन के आसपास के स्थान को सुरक्षा बलों ने अपने कब्जे में ले लिया है। यहां कमांडो तैनात किये गये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह यहां आजादी की सालगिरह के मुख्य समारोह को संबोधित करेंगे और ध्वजारोहण करेंगे। पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नेपाल सीमा को सुरक्षा के लिहाज से सील कर दिया गया है जबकि नेपाल सीमा से सटे इलाकों में चौकसी बढा दी गयी है। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने गुरूवार को कहा कि सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों को पेट्रोलिंग बढाने और संवेदनशील इलाकों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिये गये है। उन्होने कहा कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के इलाकों में यातायात नियमों को कड़ा कर दिया गया है। यह व्यवस्था 15 अगस्त की मध्य रात्रि तक लागू रहेगी। जिला पुलिस प्रमुखो को सुरक्षा ड्रिल्स और बस स्टेशन,रेलवे स्टेशन और जिले की सीमाओं पर संदिग्धों पर कडी नजर रखने को कहा गया है। कुमार ने कहा कि जिलों में पुलिस कप्तानों के अलावा राजधानी में भी दो पुलिस कमिश्नरों को सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाये जाने वाले स्थलों पर विशेष सुरक्षा बंदोबस्त किये जायेंगे। अयोध्या में पुलिस के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे और यहां जन्मभूमि परिसर और आसपास के क्षेत्रों में किसी को फटकने नहीं दिया जायेगा। अयोध्या से सटे अमेठी में एडीजी आशुतोष पांडेय,गोंडा में एडीजी अशोक कुमार,बहराइच में एडीजी राम कुमार, बाराबंकी में में पुलिस महानिरीक्षक विजय भूषण,सुल्तानपुर में आईजी विजय प्रकाश ,बस्ती में एके राय,अंबेडकरनगर में आईजी पीयूष मोर्दिया,महाराजगंज में डीआईजी चंद्र प्रकाश और सिद्धार्थनगर में डीआईजी आर के भारद्वाज को तैनात किया गया है।

कार्यक्रम के माध्यम से लोगो का घर बैठे मनोरंजन हुआ

लखनऊ, संवाददाता। बेस्ट वीडियो ऑफ द सीजन का कार्यक्रम आरजे डांस एकेडमी के डायरेक्टर राम जी मिश्रा के द्वारा यूट्यूब चौनल के माध्यम से कराया गया जिसमें 60 बच्चों ने भाग लिया जिसमें तीन प्रकार की श्रेणी थी डांस सिंगिंग एक्टिंग है। जिस समय देश में लॉक डाउन चल रहा था। इस परिस्थित को देखते हुए यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। घर रहकर प्रतिभागीयो ने अपनी प्रस्तुति का वीडियो बना कर दिया ओर कुछ प्रतीभागीयो ने कोरोना वायरस से संबंधित संदेश भी दिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगो का घर बैठे मनोरंजन हुआ। सभी प्रतिभागियों ने निःशुल्क भाग लिया और घर रहकर कोरोना योद्धा का कार्य किया। टॉप विवर गुंजन भाटिया जिनका वीडियो सबसे ज्यादा पसंद किया गया और लोगो ने देखा भी, नृत्य मे प्रथम श्रेया बिंदल, द्वितीय इशिता जसवाल, तृतीय कर्णिका वर्मा, तृततीय रनर अप अभिषेक आये और गायन में प्रथम सीमा विरमानी , द्वितीय ऐमन तृतीय हर्ष उर्फ बस्टर तृतीय रनर अप प्रियांशी विश्वकर्मा रही एक्टिंग में प्रथम रुद्र ,द्वितीय दीपक ,तृतीय आशीष आये। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राफिक्स डिजाइनर संयम डिगर का रहा,कुछ बच्चो ने महक बाजपेयी, काजोल पांडे, सार्थक सिन्हा, देव सैनी ,अनाहिता उपाध्याय, प्रत्यूषा, उन्नति श्री ,मोली सिंघल, स्नेहा अनुरागी, निहारिका, कनिष्का , निशा कुमारी, अर्चना ,लकी ,रोहन आदि की परफॉर्मेंस की जजेस से तारीफ की। कार्यक्रम की जजमेंट अलका पांडे (नृत्य कोरियोग्राफर), मेडी सिंह (नृत्य कोरियोग्राफर ,डायरेक्टर द डांसिंग राइजिंग स्टार), मुस्कान दिक्षित(मॉडल डांसर एक्टर)रहे। जजेस ने कहा कि इस परिस्थति में ऑनलाइन कार्यक्रम करवा कर अयोजक राम जी मिश्रा सामाज सेवा का कार्य किया ओर बच्चो को एक मौका मिला आपने हुनर को दिखाने का ओर सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

बहुजन समाज प्रेरणा केंद्र में लगाई जा रही बसपा सुप्रीमो की मूर्तियां

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के शासनकाल में मूर्ति प्रेम के कारण देश भर में चर्चा का केन्द्र रहीं पार्टी प्रमुख मायावती अपनी तीन प्रतिमाओं को लखनऊ स्थित बहुजन समाज प्रेरणा केंद्र में स्थापित करा रही हैं। बता दें कि संगमरमर से निर्मित सफेद प्रतिमाओं को बहुजन समाज प्रेरणा केन्द्र में स्थापित किया जा रहा है। हाथ में बैग पकड़े मायावती की इन प्रतिमाओं को लगाने का काम पिछले कई रोज से चल रहा था लेकिन किसी की निगाह इस पर नहीं पड़ी थी। लेकिन स्थापना के लिए जब इन प्रतिमाओं को खुले में लाया गया, तब बसपा प्रमुख के दशक बाद जागे मूर्ति प्रेम से लोगबाग एक बार फिर रूबरू हुये।

महंत नृत्य गोपाल दास कोविड 19 से संक्रमित

मुख्यमंत्री ने नृत्य गोपालदास के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास के कोविड संक्रमित होने की जानकारी मिलने पर उनके उपचार के लिए सभी प्रबन्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने महंत नृत्य गोपालदास के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी मथुरा तथा महंत नृत्य गोपालदास के अनुयायियों से वार्ता कर महंत नृत्य गोपालदास के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिलाधिकारी मथुरा को निर्देशित किया कि महंत नृत्य गोपालदास के बेहतर उपचार के लिए हर सम्भव प्रबन्ध किए जाएं। मुख्यमंत्री ने मेदांता हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ0 नरेश त्रेहन से वार्ता

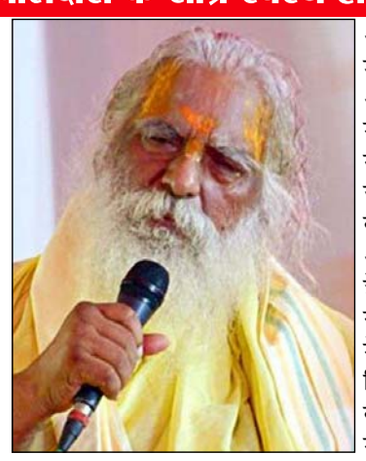

कर महंत नृत्य गोपालदास जी का मेदांता हॉस्पिटल में उपचार कराने का अनुरोध किया है। राम मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास (80 वर्ष) कोविड-19 से संक्रमित पाये गये हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यहां बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारी मथुरा से बात कर दास के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मेदांता अस्पताल के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन से वार्ता कर महंत नृत्य गोपालदास का मेदांता अस्पताल में उपचार कराने का अनुरोध किया है। अधिकारी ने यहां बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी मथुरा को निर्देशित किया कि दासके बेहतर उपचार के लिए हर सम्भव प्रबन्ध किए जाएं। अयोध्या में अभी हाल ही में राम जन्म मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में दास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा किया था।

जयप्रकाश निषाद ने बीजेपी से राज्यसभा के लिये किया नामांकन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जय प्रकाश निषाद ने गुरूवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता बेनी प्रसाद वर्मा के पिछली 27 मार्च को निधन के बाद यह सीट रिक्त हुयी थी। श्री वर्मा का निधन लंबी बीमारी के बाद हो गया था। उनका कार्यकाल चार जुलाई 2022 तक का था। देवरिया में 10 जून 1972 को जन्मे श्री निषाद गोरखपुर क्षेत्र में भाजपा के उपाध्यक्ष है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा की मजबूत स्थिति के चलते भाजपा प्रत्याशी का निर्विरोध जीतना तय है। आज नामाकंन की आखिरी तारीख है। कल नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी वहीं 17 अगस्त तक नाम वापस लिये जा सकते हैं। नियम के अनुसार यदि कोई नामांकन नहीं करता है तो श्री निषाद को निर्विरोध निर्वाचित कर दिया जायेगा। निषाद 2012 के विधान सभा चुनाव में बसपा के टिकट चौरी-चौरा विधान सभा से निर्वाचित हुये थे। 2017 में भी उन्होंने चौरी चौरा से विधानसभा से चुनाव लड़ा लेकिन भाजपा प्रत्याशी से हार गए। वह 2008 से 2009 तक बहुजन समाज पार्टी की सरकार में राज्य मंत्री रह चुके है। उन्होंने फरवरी 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक सभा मे भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। वे इस समय भारतीय जनता पार्टी के गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष है। उन्हें हाल ही में पूर्वांचल विकास बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है।निषाद को पार्टी ने पिछले मंगलवार को राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया तो वह सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद लेने गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे। आज उनके पर्चा दाखिल करने के दौरान भी मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

दिनभर की बारिश ने दिलाई उमस भरी गर्मी से राहत

लखनऊ, संवाददाता। भादो के महीने और मानसूनी मौसम के बीच गुरूवार को दिन भर हुई अच्छी बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। बरसात और ठंडी हवाओं ने शाम को सुहाना बना दिया। जिसके चलते घरों में व्याकुल बच्चों और बुजुर्गों को खासी राहत मिली। गुरुवार की सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे, सुबह से ही आसमान में बादल छाने लगे जो अचानक से काली घटाओं में तब्दील हो गए। कुछ ही समय में बरसात शुरू हो गई। शहर में कुछ समय रिमझिम तो कई झमाझम बारिश हुई। बरसात के साथ ही हवा भी चली, जिसकी ठंडक ने उमस और गर्मी को बेदम कर दिया। बारिश और हवा से बदले मौसम ने शाम को सुहाना कर दिया। हालांकि तापमान कम होने के बाद घरों के अंदर भी गर्मी से काफी हद तक राहत रही। लेकिन राजधानी के कुछ इलाकों में दिन भर हुई बारिश लोगों के लिए आफत भी बनी, सड़कों और गलियों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा, बुलाकी अड्डा, हैदरगंज, बाजारखाला, नक्खास में निर्माणाधीन फ्लाई ओवर पर चल रहे कार्य के कारण सड़कों पर हुए गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से दो पहिया वाहन कई बार गिरे गनीमत रही कि जिससे कोई बड़ा हादसा होने से बच गया।

अंशिका के डांस शो ने तय किया 80 साल का फिल्मी सफर

लखनऊ, संवाददाता। 73 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी के रंग अंशिका के संग-सफरे फिल्मिस्तान 1947 से 2020 शीर्षक से ऑनलाइन डांस शो का आयोजन गुरुवार 13 अगस्त को किया गया। उसमें हर दशक के अमर फिल्मी देशभक्ति के गाने का चयन किया गया था।नव अंशिका फाउंडेशन की ओर से निशू त्यागी के शोध, परिकल्पना और निर्देशन में फेसबुक लिंक के माध्यम से यह ऑनलाइन शो हुआ। इसमें कथक और लोक नृत्य की बाल नृत्यांगना अंशिका ने आकर्षक वेशभूषाओं में जीवंत नृत्य किया। नव अंशिका फाउंडेशन की उपाध्यक्षा, नीरा लोहानी के संचालन में गोमती नगर की रेल विहार कालोनी के स्टूडियो से इसका सजीव प्रसारण किया गया।देशभक्ति से सराबोर इस लाइव शो की शुरुआत 40 के दशकों से हुई।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय मे प्रेस वार्ता करते राज्य सभा सांसद संजय सिह तथा काग्रेस छोड कर आए लोगो को पार्टी की सदस्यता देते राज्य सभा सांसद संजय सिंह।

जिला कारागार में 04 साल से निरूद्ध बंदी की मौत

फतेहपुर । जिला कारागार में चार साल से निरूद्ध बंदी की बुधवार को देर करीब आठ बजे अचानक तबियत बिगड़ गई। बंदी की हालत देख जेल कर्मियों में हड़कंप मच गया। तत्काल उसे जेल के अस्पताल से जिला अस्पताल भेजा गया। जहां पहुंचने से पहले ही बंदी ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार शहर क्षेत्र के अरबपुर मुहल्ला निवासी राजू राईन 35 वर्ष पुत्र स्व. भोला राईन चार सितंबर 2016 को एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेजा गया था तब से वह जेल में बंद था। बुधवार की देर रात उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। जब जेल प्रशासन को इसकी जानकारी हुयी तो उसे इलाज के लिए तत्काल जिला अस्पताल भेजा। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सक ने परीक्षण करते ही उसे मृत घोषित कर दिया। गुरूवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन कराया है। उधर परिजनों को जब इसकी जानकारी हुयी तो उनके बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रवीन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की जेल में निरूद्ध बंदी की मौत की जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है।

एक साथ दर्जन भर कोरोना संक्रमित मिलने से मचा हड़कम्प

नए स्थानों पर बैरिकेडिंग कर किया गया सैनिटाइज

बिन्दकी, फतेहपुर । नगर में कोरोना वायरस संक्रमण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। लोगों की लापरवाही का परिणाम है कि लगातार कोरोना वायरस संख्यावार बढ़ता जा रहा है। इसी के चलते मोहल्ला जहानपुर तथा मीरखपुर में दोनों स्थानों पर 6-6 कोरोना पॉजिटिव केस मिले तो लोगों में हड़कंप मच गया। नगर पालिका परिषद की टीम ने नए स्थानों पर बैरिकेडिंग कर सैनिटाइज कराया और लोगों से कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव की अपील भी किया।

नगर में लगातार कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ता जा रहा है। एक दिन पहले मोहल्ला जहानपुर में एक युवक कोरोना पॉजिटिव निकला था। जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों की जांच हुई। जिसमें उसी युवक के परिवार के छह सदस्यों के करोना पॉजिटिव निकलने की पुष्टि हुई। जिसकी पुष्टि जिलाधिकारी संजीव कुमार सिंह 1 दिन पहले कर चुके हैं। इस तरह एक ही परिवार के कुल 7 सदस्यों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हो गई है। जिसके चलते गुरुवार को नगर पालिका परिषद की टीम पहुंची और 1 दिन पहले बनाए गए कंटेनमेंट जोन में दवा का छिड़काव कर सैनेटाइज किया। वहीं दूसरी ओर नगर के ही मोहल्ला मीरखपुर, संत रविदास मंदिर के समीप के 1 स्थान में एक ही परिवार के 5 सदस्य कोरोना पॉजिटिव निकले। वहां पर भी नगर पालिका परिषद ने सैनेटाइज कर कंटेनमेंट जोन को बेरिकेडिंग कर सील कर दिया।

नगर के मोहल्ला मीरखपुर में ही एक अन्य गली में भी एक युवक के करोना पॉजिटिव की होने की पुष्टि 1 दिन पहले जिलाधिकारी संजीव कुमार सिंह कर चुके हैं। इस प्रकार मीरखपुर मोहल्ले में कुल छः कोरोना वायरस 1 दिन में निकले अर्थात नगर में 1 दिन में कुल 12 कोरोना के मामले निकल चुके हैं हालांकि नगर पालिका परिषद और तहसील प्रशासन लगातार लोगों को आगाह कर रहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण का सबसे बड़ा उपाय है कि बेवजह घरों से बाहर न निकले, बाहर निकले तो सामाजिक दूरी का पालन करें, मास्क लगाएं और समय-समय पर हाथ भी साफ करते रहे लेकिन कुछ लोग हैं कि मानने का नाम नहीं ले रहे। इसी कारण से नगर में कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ता जा रहा है। निश्चित रूप से लोगों को नगर पालिका परिषद और तहसील प्रशासन की अपील पर ध्यान देना चाहिए।

शराब के लिए पैसे न देने पर युवक को पीटा

जहानाबाद, फतेहपुर । नगर के तेजानगर निवासी युवक एक ने बताया कि शराब के पैसे ना देने पर एक दबंग ने उसके साथ मारपीट कर डाली। थाना के तेजा नगर निवासी पीड़ित अवधेश ने बताया कि छोटेलाल तथा उसके बड़े भाई बड़े लाला पुत्र रामपाल बिना किसी वजह के अचानक उसे गाली गलौज देने लगा तथा शराब के लिए पैसे की मांग करने लगा। विरोध करने पर उसे बुरी तरह से मारा पीटा। पीड़ित ने थाने में तहरीर देते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष शर्मा से न्याय की गुहार लगायी। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है जांच के बाद दोषी पाये जाने पर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

जिले में हुई बारिश ने धान की फसल को दी संजीवनी

उमस भरी गर्मी से लोगो ने महसूस की राहत

फतेहपुर । जिले मे दो दिन से रुक-रुककर हो रही बारिश ने किसानो के चेहरे पर मुस्कान ला दिया है। मलवां ब्लाक क्षेत्र के गांवो के किसान इस बारिश से खुश नजर आ रहे है। धान की फसल के लिये बारिश का पानी संजीवनी का काम करेगा। पौध के बढत के साथ ही रंगत मे भी परिवर्तन आयेगा। वहीं बारिश के चलते लोगो को उमस भरी गर्मी से निजात भी मिली। लोग इन्द्रदेव का शुक्रिया अदा करते नजर आये और इसी तरह रिमझिम मौसम बनाये जाने की प्रार्थना की। उधर बारिश ने शहर के मार्गो को जलाशय में तब्दील कर दिया। जगह-जगह जलभराव एवं मार्गो पर उफनाई नाले-नालियों की गंदगी ने राहगीरों को परेशान किया। लोगो का कहना रहा कि बारिश के मौसम में हर वर्ष इसी तरह जलभराव की समस्या से शहर की जनता को दो-चार होना पड़ता है और हर बार पालिका प्रशासन के साफ-सफाई को लेकर किये जाने वाले दावे खोखले साबित होते है। वहीं प्रशासन की बेरूखी की दंश भी शहर की कई नई आबादियों को झेलना पड़ रहा है। बारिश के दौरान मार्गो पर भरे पानी की वजह से लोगो का आवागमन प्रभावित रहा। शहर के ताम्बेश्वर इलाके के एक मोहल्ले में मार्ग व नाली का निर्माण न होने से बारिश का पानी मार्ग पर जमा हो गया जिसकी वजह से लोगो को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अट्ठारह सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का ज्ञापन

फतेहपुर । राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारियों ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित 18 सूत्रीय मांग पत्र अपर जिलाधिकारी को सौंपते हुए बताया कि पिछड़े वर्ग के हक अधिकार के संदर्भ में मांग पत्र सौंपा। मंदिर नहीं अधिकार चाहिए शिक्षा और रोजगार चाहिए। इस आंदोलन के अंतर्गत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के माध्यम से हम आपको अवगत कराना चाहते हैं कि 20-21 की जनगणना में ओबीसी की जनगणना अर्थात जाति आधारित जनगणना कराई जाए। ओबीसी के क्रीमी लेयर के साथ सैलरी एवं एग्रीकल्चर इनकम जोड़ने की साजिश को बंद किया जाए। ओबीसी को संख्या के अनुपात में 52 फीसदी आरक्षण लागू किया जाए।

न्यायपालिका में भी आरक्षण व्यवस्था लागू की जाए। निजी करण में आरक्षण व्यवस्था लागू की जाए। ओबीसी को आरक्षण लागू किया जाए। ओबीसी के छात्रों को छात्रवृत्ति पर लगी रोक को हटाया जाए। रिजर्वेशन इंप्लीमेंटेशन एक्ट बनाया जाए। उच्च शिक्षा व्यवसायिक शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा में ओबीसी को निःशुल्क कोचिंग निशुल्क शिक्षा तथा आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। उद्योगों लघु तथा कुटीर उद्योगों एवं ठेकेदारी के लाइसेंस में ओबीसी आरक्षण, प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए ओबीसी को संख्या के अनुपात में भूमि आवंटन किया जाए केंद्र एवं राज्य सरकारों में ओबीसी को पर्याप्त बजट का प्रावधान किया जाए ओबीसी के लिए 20 सुरक्षा कानून बनाया जाए। पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए अलग से मंत्रालय बनाया जाए।

तमाम राज्यों में पिछड़े वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण भी लागू नहीं किया गया। ऐसे राज्यों सहित सभी राज्यों में ओबीसी को संख्या के अनुपात में आरक्षण लागू किया जाए। मंडल कमीशन की सभी सिफारिशों को लागू किया जाए। ओबीसी महापुरुषों के गौरवशाली इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। साकेत प्राचीन बौद्ध विरासत है।

यह पिछड़े वर्ग की गौरवशाली विरासत है इसलिए इसको ब्राह्मणों के नाजायज क्रमांक से मुक्त कराते हुए सुरक्षित किया जाए। पिछड़े वर्ग के हित के मुद्दों की तरफध्यान देकर पिछड़े वर्ग को अधिकार देने की बजाय सरकार ओबीसी को मंदिर का झुनझुना पकड़ाना चाहती है इसलिए हम पिछड़े वर्ग के लोग आपसे मांग करते हैं कि उपरोक्त मुद्दों को लागू किया जाए। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा देशव्यापी द्वितीय चरण का आंदोलन घोषित करेगा। इस मौके पर दिलीप पाल, डॉ0 अमित पाल, फूल सिंह लोधी, संतोष कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

जिला मजिस्ट्रेट ने विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मुकदमों के आधार पर कुल 23 लोगों के शस्त्र लाइसेंस को निलंबित करते हुए निरस्तीकरण हेतु जारी किया नोटिस

प्रयागराज। जिला मजिस्ट्रेट भानु चन्द्र गोस्वामी ने विभिन्न धाराओं में दर्ज अपराधिक मुकदमों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की आख्या के आधार पर कुल 23 लोगो के शस्त्र लाइसेंस को निलंबित करते हुए शस्त्र निरस्तीकरण हेतु नोटिस जारी किया है, जिसके क्रम में अतीक अहमद पुत्र स्व0 हाजी फिरोज थाना-धूमनगंज, शादाब पुत्र इत्तेहार थाना-करेली, इसरार पुत्र अब्दुल सन्तार थाना-खुल्दाबाद, मुख्तार अहमद पुत्र अब्दुल सन्तार थाना-खुल्दाबाद, मो0 ईशा पुत्र विशुम थाना-खुल्दाबाद, गिरिश दूबे पुत्र जगदीश दुबे थाना जार्जटाउन, नूर अख्तर पुत्र हाशिम थाना-करेली, मो0 आजम पुत्र मो0 असलम थाना-खुल्दाबाद, मो0 इमरान पुत्र मो0 जई थाना-खुल्दाबाद, मो0 इदरिश उर्फ बब्लू पुत्र सुफी थाना-सिविल लाइंस, संजय प्रसाद मिश्र पुत्र दयाशंकर मिश्र थाना-कौंधियारा जो कि एसआरएन में गार्ड थे(11) के साथ-साथ 12 अन्य व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंसो को भी निलम्बित करते हुए शस्त्र निरस्तीकरण हेतु नोटिस जारी किया गया है।

गोरखपुर के डॉ0 कफील की रिहाई को लेकर कांग्रेसियों का ज्ञापन

❑ केन्द्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

बिन्दकी, फतेहपुर । कांग्रेस पार्टी के लोगों ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। जिसमें गोरखपुर के डॉ0 कफील की रिहाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि डॉ0 कफील योग्य चिकित्सक है कोरोना संक्रमण काल में उनका बहुत उपयोग हो सकता है। ऐसे में उनकी रिहाई आवश्यक है। तहसील परिसर पहुंचे कांग्रेसियों ने केंद्र व राज्य सरकार विरोधी जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस पार्टी के लोग तहसील परिसर पहुंचे और प्रदेश के राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी आशीष कुमार को सौंपा। जिसमें गोरखपुर के डॉ0 कफील की रिहाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर डॉ0 कफील की रिहाई की मांग की है। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ भी लगातार डॉ0 कफील की रिहाई की मांग कर रहा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि प्रदेश की योगी सरकार विद्वेष की भावना के चलते डॉ0 कफील को रिहा नहीं कर रही है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि जल्दी रिहाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी के लोग आंदोलन को और तेज कर देंगे। इस बीच पार्टी के लोगों ने केंद्र और राज्य सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विनोद द्विवेदी, पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के बाबर खान के अलावा पार्टी के नेता विवेक मिश्रा, मो0 आलम, आकाश शुक्ला, अरुण कुमार तिवारी, मो0 अकील, गिरजा शंकर, नादिर अली, शोएब कुरैशी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बीस लोगो की रिपोर्ट आयी कोरोना पॉजीटिव

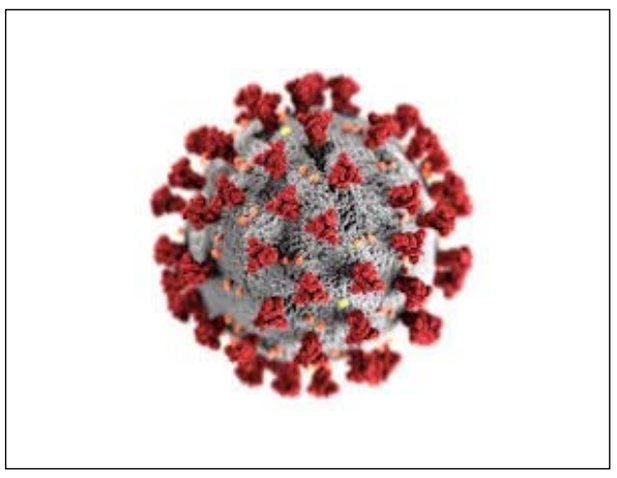

फतेहपुर । कोरोना वायरस संक्रमितो की ताजा रिपोर्ट में पिछले 24 घण्टे के दौरान जनपद में 20 और संक्रमितो की पुष्टि हुई है। जनपद में कोरोना के ऐक्टिव केस बढ़कर 267 हो गये हैं। वहीं स्वस्थ्य होने वालों की संख्या 509 है। कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 821 हो चुकी है। गौर तलब है कि जिले में कोरोना का संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोजाना संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है। कहा जा सकता है कि संक्रमण रोकने के बाबत् जहां सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। वहीं आम जनमानस इस मद में गम्भीर ही नहीं है। ऐसी सम्भावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता कि निकट भविष्य में हालात और भयावह हो सकतें हैं।

कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कैंट थाना प्रभारी के द्वारा किया गया चालान

हाईकोर्ट के नियमों का ना करे उल्लंघन दो पहिया गाड़ी पर ना बैठे दो सवारी

प्रयागराज। प्रयागराज थाना कैंट के अंतर्गत एकाकी कुंज के आगे नेवादा चौराहे पर हाईकोर्ट के आदेश अनुसार एवं कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन कर रहे लोगों का थाना कैंट प्रभारी नीरज वालिया एवं उनकी टीम द्वारा चालान काट कर कोरोना जैसी महामारी के नियमों के बारे में लोगों को बताया साथ ही उन लोगों से यह भी कहां की ज्यादा आवश्यक कार्य ना हो तो घर से ना निकले घर में रहें और सुरक्षित रहें यह बात थाना कैंट के प्रभारी नीरज वालिया ने लोगों से खुद कहा और लोगों को रोककर कोरोना जैसी महामारी के विषय में बताया।

थाना कैंट में नीरज वालिया जैसे तेजतर्रार स्वच्छ ईमानदार व्यक्तित्व वाले व्यक्ति के आने से अपराधियों में खलबली मची हुई है कुछ अपराधी दहशत में बाहर नहीं निकल रहे हैं साथ ही साथ नीरज वालिया राजधानी लखनऊ से आए हुए हैं इनके विषय में सुना गया है कि मुख्यमंत्री के सुरक्षा में भी बड़ा ही सराहनीय कार्य रहा है साथ ही साथ कैंट में आते ही अशोक नगर में हुई चोरी का एक सप्ताह के अंदर जबरदस्त खुलासा किया जिससे इस खुलासा हो जाने की वजह से चोरों में दहशत का माहौल है साथी सिविल लाइन में हुई मोबाइल छिनैती का 24 घंटे में खुलासा किया यह कार्य प्रयागराज पुलिस के लिए सराहनीय रहा।

पुलिस ने एलआइयू टीम के साथ मॉल व बाजारों में की चेकिंग

लखनऊ, संवाददाता। स्वतंत्रता दिवस को लेकर राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश भर में सतर्कता बढ़ गयी है। 15 अगस्त पर अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। गुरूवार को राजधानी के कई मॉल्स व भीड़-भाड़ वाली जगहों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। गोमती नगर पुलिस ने वेव मॉल में एलआइयू टीम के साथ चेकिंग की। विभूतिखंड इंस्पेक्टर संजय शुक्ला व उनकी टीम के साथ ही एलआइयू टीम द्वारा वेव मॉल तथा सिनेपोलिस मॉल की एक-एक दुकान का पूरी तरह से निरीक्षण किया गया। साथ ही पार्किंग तथा एटीएम मशीन की भी जाँच की गयी। वहीं चेकिंग अभियान चलाने के साथ ही संदिग्ध स्थानों पर भी नजर रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि कमिशनर लखनऊ सुजीत पाण्डेय के आदेशाअनुसार यह निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही लखनऊ पुलिस 15 अगस्त के मद्देनजर पूर्ण रूप से अलर्ट है।

लूट के दो वांछित अभियुक्त हुए गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना थरवई के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी फूलपुर के पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष थरवई अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम उपनिरीक्षक अरविंद कुशवाहा , उपनिरीक्षक राजेश सिंह यादव, आरक्षी शिवाजी यादव के द्वारा दिनांक 12.08.2020 को 40 नंबर गोमती रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रक नं0 क्र43 ज्ञ 7200 के चालक से मारपीट व गाली गुप्ता करते हुए ट्रक मोबाइल व वाहन के कागजात ट्रक चालक का डी0एल0 इत्यादि लूटने के संबंध में पंजीकृत मु0अ0सं0 338/2020 धारा 394/411/504/427 के वांछित अभियुक्त गण की गिरफ्तारी संबंधित माल की बरामदगी हेतु मुखबिर की सूचना के आधार पर 1. आयुष कुमार तिवारी पुत्र संतोष कुमार तिवारी अस्थाई निवासी 265 तुलाराम बाग थाना जॉर्जटाउन प्रयागराज उम्र 23 वर्ष 2. शुभम पटेल पुत्र अजय पटेल निवासी 171/ष्ठ न्यू बस्ती सोहबतियाबाग थाना जॉर्जटाउन उम्र 25 वर्ष को ग्राम नरी थाना सोरांव जनपद प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से एक अदद मोबाइल सैमसंग कीपैड व वाहन का कागजात ट्रक ड्राइवर का लाइसेंस ड्राइविंग की निशानदेही पर लूटे गए ट्रक को ग्राम टिकारी से बरामद किया गया।

प्रसिद्ध मार्शल आर्टिस्ट धीरज मिश्र बने लखनऊ मुय थाई एसोसिएशन के महासचिव

लखनऊ, संवाददाता। वॉरियर्स-द एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट्स के चेयरमैन और प्रसिद्ध मार्शल आर्टिस्ट धीरज मिश्र को जिला मुय थाई एसोसिएशन, लखनऊ का महासचिव बनाया गया है। लखनऊ जिला मुए थाई एसोसिएशन के अध्यक्ष अपर्णेश मिश्र ने गुरुवार को धीरज मिश्र को नियुक्ति पत्र सौंपा।धीरज मिश्र पिछले कई वर्षों से राजधानी लखनऊ सहित आस-पास के जनपदों में प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के मार्शल आर्ट खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। धीरज मिश्र ने वर्ष 2019 को दिल्ली में आयोजित हुए सीनियर नेशनल मुए थाई चौम्पियनशिप में आधिकारिक रूप से बतौर जज एवं रेफरी प्रतिभाग किया था। इसके अतिरिक्त वे एमेच्योर मुए थाई वेलफेयर सोसाइटी ऑफ यूपी की टेक्निकल कमेटी के सदस्य भी हैं। संस्था के नवनियुक्त महासचिव धीरज मिश्र ने जिला मुए थाई एसोसिएशन, लखनऊ के प्रेसिडेंट अपर्णेश मिश्र व अजय अग्रवाल (जॉइंट सेक्रेटरी-टेक्निकल डायरेक्टर दृ यू.पी.) का आभार प्रकट किया।

वर्क फ्रॉम होम के दौर में लैंगिक उत्पीड़न का बदलता स्वरूप

कोरोना वाइरस के कारण देश में सम्पूर्ण लॉकडाउन किया गया था जिसने सबको घर के अंदर रहने को बाध्य कर दिया था इस दौर में लोग घर से ऑफिस का काम करने लगे। पहले भारत में कम संख्या में वर्क फ्रॉम होम होता था लेकिन लॉकडाउन के कारण इसका चलन बहुत बढ़ा है। अब लॉकडाउन खुलने के बाद भी बड़ी संख्या में लोग अपने घर से ही काम करने लगे हैं। महिलाएं भी इससे अछूती नहीं रही हैं। उन्हें भी वर्क फ्रम होम करना पड़ रहा है। लेकिन इस दौरान महिलाओं के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष वर्चुअल यौन उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। पुरुष सहकर्मी के द्वारा नेट पर काम के दौरान महिला सहकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करना, अश्लील कमेन्ट करना, महिला की फोटो का स्क्रीन शॉट ले लेना, पुरुष द्वारा मीटिंग के दौरान अश्लील हाव-भाव करना, मीटिंग में सही कपड़े न पहनना, ऑफिस के समय के बाद,देर रात में भी मीटिंग करना आदि अनेक घटनाएं इन दिनों देखने को मिल रही हैं। कोरोना के समय में लोगों की नौकरियां लगातार खत्म हो रही हैं ऐसे समय में महिलाएं सोचती हैं कि अगर वो इसका विरोध करेगी तो कहीं उनकी नौकरी न चली जाए। इसलिए वो इस तरह के व्यवहार,घटनाओं को अनदेखा कर देती हैं। साथ ही महिलाओं को ये भी समझ नहीं आता है कि इसे कैसे डील करें, इसे लेकर कहां शिकायत की जाए। अगर वर्क फ्रम होम करने वाली महिलाओं के साथ इस तरह की कोई घटना होती है तो देश में पहले से ही मौजूद कानून श्शकार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013 के अधीन ही शिकायत की जा सकती है। महिलाएं ये सोचेंगी कि वो तो ऑफिस से नहीं घर से काम कर रही हैं तो ये कानून इस स्थिति में कैसे लागू होगा तो हमें ये जानना होगा कि इस कानून के तहत

कार्यस्थल की परिभाषा को विस्तार दिया गया है जिसके तहत अगर महिलाएं काम के लिए किसी स्थान गई है या किसी स्थान से काम कर रही हैं तो वो जगह भी कार्यस्थल के अंतर्गत ही आएगा।देश में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने 13 अगस्त 1997 में दिशानिर्देश दिये थे जिसे विशाखा गाइडलाइन कहा जाता है पर इसमें कई सारी कमियां थीं, सबसे बड़ी कमी यह थी कि ये कानून नहीं था जिसके कारण इसे मानना बाध्य नहीं था। इन्हीं कमियों को दूर करने और इसे कानून का रूप देने के लिए देश भर की महिला संगठनों ने लगातार कई सालों तक संघर्ष किया और उसी के परिणामस्वरूप 2013 में नया कानून कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013श्श् आया। इस नये कानून के अंतर्गत कर्मचारी की परिभाषा को विस्तारित किया गया साथ ही नए परिस्थितियों के अनुरूप कार्यस्थल के दायरे को बढ़ाते हुए किसी भी विभाग, संस्थान, कार्यालय, पुलिस स्टेशन, स्पोर्टस, की संस्था, स्टेडियम, स्पोर्ट्स काम्पलेक्स, खेलकूद, प्रतियोगिता स्थल, आवास, प्रशिक्षण स्थल चाहे वह उपयोग में न आ रहा हो, कर्मचारी द्वारा नौकरी के दौरान किसी स्थान पर जा रहा है, किसी स्थान (जैसे वर्क फ्रम होम) से काम कर रहा है, को शामिल किया गया है। लेकिन इस कानून में भी कई कमियां हैं जैसे यह कानून लैंगिक उत्पीड़न को अपराध की श्रेणी में नहीं रखता है। शिकायत निवारण कमेटियां केवल अनुशंसा ही कर सकती हैं, पीड़िता के लिए कोई सर्पोट सिस्टम नहीं है इत्यादि। ज्यादातर कंपनियों के लिए वर्क फ्रॉम होम एक नयी स्थिति है और उनका इस तरह की परिस्थितियों से पहले सामना नहीं हुआ था। इनके कारण जो वर्चुअल यौन उत्पीड़न के मामले आ रहे हैं वो खुद ही नहीं समझ पा रहे कि इसका हल कैसे किया जा सकता है और उनकी पॉलिसी में इस तरह के उत्पीड़न को लेकर कोई क्लाज स्पष्ट रूप से नहीं हैं। अब समय आ गया है कि कंपनियों, संस्थानों को इस पर सोचना होगा और अपनी पॉलिसी में बदलाव लाना होगा। महिलाओं को भी ध्यान रखना चाहिए कि इस तरह की कोई घटना हो तो उसकी स्क्रीन शॉट लें, मैसेज को सुरक्षित रखें, बातचीत को रिकार्ड करें या वीडियो बना लें। लैंगिक उत्पीड़न कोई नयी और कभी-कभार होने वाली घटना नही है। हां, इसका स्वरूप जरूर समय और परिस्थिति के अनुरूप बदलता जा रहा है। यह पितृसत्तात्मक हिंसा का ही एक रूप है। इसका महिलाओं पर शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। वो बदनामी और समाज के डर और कोरोना महामारी के इस दौर में नौकरी खोने के डर के कारण इन घटनाओं के खिलाफ आवाज नहीं उठाती हैं और मन ही मन घुटती हैं। लेकिन लैंगिक उत्पीड़न को सिर्फ कानून बनाकर नहीं रोका जा सकता क्योंकि लैंगिक उत्पीड़न महिलाओं की व्यक्तिगत समस्या नहीं है यह जेंडर आधारित हिंसा है। कार्यस्थल में होने वाला व्यवहार समाज का ही आईना है जहां महिलाओं को दोयम दर्जे का और वस्तु के रूप में माना जाता है।इस समस्या को तब तक नियंत्रित नहीं किया जा सकता जब तक पुरुषों की सोच में बदला न आ जाए। महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने पर ही इस समस्या से छुटकारा हो सकता है। जब तक कि पुरुषों के द्वारा महिलाओं की बुनियादी मानवता को सम्मान नहीं दिया जायेगा और उसे व्यवहार में नहीं लाया जाएगा तब तक कोई भी कानून प्रभावी नहीं हो सकेगा। इसके लिए हमें अपने परिवार, समाज के भेदभावपूर्ण ढांचे को भी बदलना होगा, जहां लड़कों की हर बात को सही और लड़कियों के हर कदम को शंकापूर्ण नजरों से देखा जाता है। हमें पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर चोट करनी होगी जहां महिलाओं को भोग की वस्तु माना जाता है तब ही इस तरह की घटनाओं को खत्म किया जा सकता है।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट का स्वागतयोग्य फैसला

पितृसत्तात्मक समाज की व्यवस्था में सत्ता के तीन मूल केंद्र हैं, संपत्ति, संतति और सत्ता. ये तीनों ही पुरुषों के पास केंद्रित की गयीं. बच्चे के जन्म के बाद पिता का ही नाम चलता है, संपत्ति का उत्तराधिकारी बेटे को ही बनाया गया है. इसी तरह सत्ता भी पुरुषों के हाथ में ही रहती है. चाहे वह सामाजिक हो, आर्थिक हो, राजनीतिक हो या धार्मिक. इसी कारण समाज में स्त्रियों का दर्जा दोयम रहा है. संपत्ति का जो अधिकार, स्वाभाविक अधिकार के तौर पर बेटियों को मिलना चाहिए था, वह अब तक उन्हें नहीं मिल पाया है.

पैतृक संपत्ति कानून में जब 2005 में संशोधन किया गया तो बेटियों को अधिकार तो मिला, लेकिन उसमें यह बात भी शामिल थी कि 9 सितंबर, 2005 के पहले यदि पिता की मृत्यु हो गयी है तो बेटी को संपत्ति में अधिकार नहीं मिलेगा. तो एक हाथ से लो और एक हाथ से दो वाली बात हो गयी. जिन लड़कियों की शादी हो गयी है, वे परेशानी में हैं, अपने घर वापस जाना चाहती हैं, उन्हें पूर्व के संशोधित कानून के तहत तो अधिकार ही नहीं मिलेगा. लेकिन, अभी सर्वोच्च न्यायालय ने जो कानून की व्याख्या की है, वह स्वागतयोग्य है. इसके अनुसार, पिता की मृत्यु चाहे हुई हो या नहीं हुई हो, बेटियों को पैतृक संपत्ति में उसी तरह का अधिकार मिलेगा, जिस तरह बेटों को मिलता है. इस निर्णय के तहत सीधे रास्ते से, कानून के तहत बेटियों को पैतृक संपत्ति में अधिकार दिया गया है. लेकिन अभी भी एक दुविधा है. पिता की अर्जित संपत्ति अभी भी बेटों को ही मिलती है. पिता जिसे चाहे उसे दे सकता है. ये अधिकार अभी भी पिता के हाथ में ही है. संपत्ति तो संपत्ति है, उसका बराबर बंटवारा होना चाहिए. यदि आप पैतृक में बराबर अधिकार दे रहे हैं, तो अर्जित में भी देना चाहिए. आजादी के बाद जब संसद में संपत्ति के मामले को लेकर हिंदू कोड बिल पर चर्चा हो रही थी, तब से लेकर आज तक स्त्रियों के साथ भेदभाव ही बरता गया है. अब जाकर, यह फैसला हुआ है कि पैतृक संपत्ति में बेटियों को भी बराबर का अधिकार मिलेगा और पिता की मृत्यु से उसका कोई संबंध नहीं होगा. हालांकि, अभी हमारा समाज इस बात को स्वीकार नहीं कर रहा है. पैतृक संपत्ति कानून में संशोधन तो पहले ही हो गया था, कानून बन ही गया था, लेकिन कितने परिवार ऐसे हैं जो स्वेच्छा से अपनी संपत्ति में बेटियों को भी अधिकार दे रहे हैं. इसके उलट वे शादी में खर्च और दहेज देने की बात कहकर बेटियों को उलझा देते हैं. यही बात बाद में बेटियों के गले की फांस बन जाती है. पति-पत्नी के आपसी रिश्ते खराब होने पर आज कई लड़कियां शादी के रिश्ते से बाहर निकलना चाहती हैं, लेकिन उनके सामने यह प्रश्न आ जाता है कि वे कहां जायें. न चाहते हुए भी वे उसी नरक में रहने को मजबूर हैं, क्योंकि उनके पास कोई ठिकाना ही नहीं है. यदि कोई लड़की किसी कारण अपना हिस्सा मांग बैठती है तो उसे सबसे बुरी लड़की करार दिया जाता है. मायके से रिश्ता खत्म होने के डर से लड़कियां अपना हिस्सा मांगती ही नहीं हैं. यह सोच खत्म होनी चाहिए. बेटियों को संपत्ति, खासकर पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार देने को समाज की स्वीकृति मिलनी चाहिए. सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को सचमुच अमल में लाने के लिए अभी कई काम करने होंगे. मां-बाप को बेटियों के दिमाग में यह बात बिठानी होगी कि जो कुछ भी मेरा है, वह तुम्हारा और तुम्हारे भाई दोनों का है. हालांकि, इस निर्णय को सबसे पहले माता-पिता को खुद स्वीकार करना होगा. उन्हें इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि बेटी को शादी करके भेज देंगे और बेटा घर का मालिक बनेगा. दूसरी बात, बेटियों को अपना अधिकार मांगने में संकोच करने की जगह अपनी जबान खोलनी होगी. उन्हें समझना होगा कि यह उनका अधिकार है. वे अलग से कुछ भी नहीं मांग रही हैं. पैतृक संपत्ति तो पिता को भी मिली है, उन्होंने अर्जित नहीं की है. एक और बात, पिता-पुत्र दोनों को सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि संपत्ति में बेटियों का भी बराबर का हक है. अगर वे स्वीकार नहीं करते हैं तो उन्हें स्वीकार करवाया जाना चाहिए. अगर आप दबती रहीं, चुपचाप सबकुछ सहती रहीं, तो आपके साथ जैसी हिंसा हो रही है, वैसी होती रहेगी. आपके पास पैसे नहीं हैं, तो आप नरक में रहने के लिए मजबूर हैं, लेकिन आप अपने घर वापस नहीं जा सकतीं, यह भी एक तरीके की हिंसा ही है. एक बात तो एकदम तय है कि इस बदलाव से हमारे सामाजिक ताने-बाने में थोड़ा फर्क आयेगा. परिवर्तन की अपनी कीमत होती है, वह ऐसे नहीं आता है. पुराना उजाड़ने के बाद ही हम कुछ नया बना पाते हैं. तो यहां भी रिश्तों में थोड़ी दरार तो आयेगी. लेकिन इसमें बहुत ज्यादा सोचने की आवश्यकता नहीं है.

अमेरिकी चुनाव में कमला हैरिस

तीन नवंबर को होनेवाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के अभियान में अब हर दिन नयी घोषणाएं हो रही हैं और इन घोषणाओं का असर मतदाताओं पर भी बहुत साफ दिखने लगा है. रिपब्लिकन पार्टी की ओर से फिर से मैदान में उतरे वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे बढ़कर मतदाताओं को लुभाने के लिए चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं, तो दूसरी तरफ पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दो कार्यकाल में आठ साल तक उपराष्ट्रपति रहे और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार जो बाइडेन ने अपने उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में सीनेटर कमला हैरिस के नाम की घोषणा की है. अपने साथी उम्मीदवार के रूप में बाइडेन द्वारा कमला हैरिस का चयन किया जाना इस चुनाव में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसके जरिये अमेरिका के अश्वेत और भारतीय मूल के लोगों को सकारात्मक संदेश देने की बात कही जा रही है. उल्लेखनीय है कि सीनेटर हैरिस के अश्वेत पिता जमैका में जन्मे थे और उनकी माता भारतीय हैं हालांकि, पूर्व में नस्ल के मामले पर बाइडेन और कमला हैरिस एक-दूसरे की आलोचना कर चुके हैं, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए पिछले साल तक बाइडेन के सामने खड़ी कमला हैरिस ने बीते कुछ समय में बाइडेन की सभी नीतियों का समर्थन भी किया है. पार्टी के भीतर उम्मीदवार के चुनाव के लिए मतदान से पहले ही वे बाइडेन के समर्थन की घोषणा कर दौड़ से हटी थीं. माना जा रहा है कि हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किये जाने से अमेरिकी आबादी में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले काले समुदाय के मतदाता एकमुश्त बाइडेन के पक्ष में वोट कर सकते हैं. अमेरिका के चुनावी इतिहास में कमला हैरिस तीसरी महिला हैं, जिन्हें किसी बड़े राजनीतिक दल ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर चुना है.

इससे पहले सारा पैलिन रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से 2008 में उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं, जबकि गेराल्डीन फेरारो 1984 में डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से इस पद के लिए चुनी गयी थीं. पर इन दोनों उम्मीदवारों को जीत हासिल नहीं हो सकी थी. इतना ही नहीं, इस पद के लिए चुनी जानेवाली हैरिस पहली अश्वेत महिला भी हैं. 55 वर्षीया कमला हैरिस और 77 वर्षीय जो बाइडेन को देखते हुए ये भी कयास लगाये जा रहे हैं कि भविष्य में डेमोक्रेट पार्टी की बागडोर कमला हैरिस के हाथ में आ सकती है. इस कयास का एक कारण यह भी है कि बाइडेन लगातार कहते रहे हैं कि वे खुद को ट्रांजिशनल कैंडिडेट यानी बदलाव से स्थायित्व की ओर ले जानेवाला उम्मीदवार मानते हैं. इसका भाव यह भी हो सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के आक्रामक और अराजक कार्यकाल के बाद बाइडेन एक स्थायित्व दें और अगर वे इस बार जीतते हैं, तो अगले चार साल में राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का नाम आगे किया जाये. यह बहुत हद तक संभव इस दृष्टि से भी है कि अगर बाइडेन जीत जाते हैं, तो अगले चुनाव तक उनकी उम्र 81 साल हो जायेगी. ऐसे में तब 59 साल की कमला हैरिस अपने उपराष्ट्रपति पद के अनुभव के साथ 2024 के चुनाव में एक अच्छे उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत की जा सकती हैं. कमला हैरिस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुने जाने का बाइडेन के अभियान पर कितना सकारात्मक असर पड़ेगा, इस संबंध में स्पष्टता अगले कुछ दिनों में होनेवाले सर्वेक्षणों में मिल सकती है. इस बीच पिछले सप्ताह कोरोना से जूझते अमेरिका को राहत देने के लिए अमेरिकी कांग्रेस में जिस पैकेज पर चर्चा हो रही थी, वह बहस असफल रही है. इस असफलता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए चार महत्वपूर्ण फैसले किये हैं और बड़े ही नाटकीय अंदाज में प्रेस कांफ्रेंस में इनकी घोषणा की

है. इन फैसलों में बेरोजगार अमेरिकियों को हर हफ्ते तीन सौ डॉलर की राशि देने का प्रावधान है. ये तीन सौ डॉलर संघीय प्रशासन देगा. ट्रंप ने कहा है कि राज्य प्रशासन भी सौ डॉलर का योगदान करें. सौ डॉलर देने या न देने का फैसला राज्य सरकारों पर छोड़ा गया है. माना जाता है कि रिपब्लिकन पार्टी के शासनवाली राज्य सरकारें यह पैसा देंगी. दूसरे आदेश में ट्रंप ने कहा है कि जो भी लोग कोरोना के कारण अपने घरों का किराया नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें घरों से नहीं निकाला जा सकता है. साथ ही, जिन पर छात्र ऋण है, उन्हें कुछ समय तक किस्तें न चुकाने की मोहलत मिली है. एक और फैसले में कहा गया है कि इस साल जिन्हें वेतन मिलता है हर महीने, उस पर टैक्स नहीं लगेगा. हालांकि टैक्स न लेने का यह फैसला दिसंबर तक के लिए रखा गया है और ट्रंप ने कहा है कि अगर वे जीत जाते हैं, तो टैक्स माफ करने का कोई रास्ता निकाल लेंगे. ट्रंप को इन घोषणाओं का तत्काल फायदा मिलता दिख रहा है. दो हफ्ते पहले हुए सर्वेक्षणों में जहां वे बाइडेन से बारह अंकों से पीछे चल रहे थे, वहीं इस हफ्ते हुए सर्वेक्षण में ट्रंप ने दो अंकों से यह बढ़त कम कर ली है. फिलहाल बाइडेन उनसे दस अंकों से आगे हैं. मोनमाउथ यूनिवर्सिटी पोल के मुताबिक, इस समय बाइडेन में 51 प्रतिशत वोटर भरोसा जता रहे हैं, जबकि ट्रंप के समर्थन में 41 प्रतिशत लोग ही हैं. टीवी चौनल सीबीएस न्यूज और यूगॉव के रविवार को किये गये सर्वेक्षण में ट्रंप के खिलाफ बाइडेन की बढ़त मात्र छह फीसदी की है यानी कि ट्रंप को 42 फीसदी लोगों का समर्थन है, तो बाइडेन को 48 फीसदी लोगों का. यह बढ़त आनेवाले दिनों में घट भी सकती है. इन सर्वेक्षणों को देखकर यह अनुमान लगाना गलत होगा कि बाइडेन आसानी से जीत सकते हैं क्योंकि पिछले राष्ट्रपति चुनाव में अगस्त के महीने में हुए चुनाव सर्वेक्षणों में ट्रंप के मुकाबले हिलेरी क्लिंटन बहुत स्पष्ट बढ़त बनाये हुए थीं. अमेरिकी चुनाव में जीत के लिए राज्यवार तय 270 प्रतिनिधि वोटों की जरूरत होती है और अगस्त के सर्वेक्षण में हिलेरी को 273 वोट मिल रहे थे, जबकि ट्रंप को सिर्फ 174 वोट ही दिये जा रहे थे, लेकिन उसके बाद अगले सिर्फ दो महीने में ट्रंप का समर्थन तेजी से बढ़ा और वे जीत गये. शायद यही कारण है कि इस समय भी बाइडेन की जीत को लेकर कोई भी अमेरिकी आश्वस्त नहीं है और तमाम तरह के अनुमान लगाये जा रहे हैं.

बेचैन कर गया राहत इंदौरी का जाना

लोकप्रिय शायर राहत इंदौरी ने मंगलवार सुबह जब यह जानकारी ट्विटर पर दी कि वे कोरोना संक्रमित हैं तो उनके जल्द सेहतमंद होने की कामना उनके प्रशंसक करने लगे थे, लेकिन शाम होते-होते यह दुखद समाचार आ गया कि राहत साहब इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। इस खबर ने सबको गमगीन कर दिया, उन्हें भी जो उनकी शायरी के मुरीद थे और उन्हें भी जिन्हें शायरी की समझ हो न हो, लेकिन राहत साहब के होने से यह आश्वस्ति रहती थी कि हिंदुस्तान की गंगा-जमुनी सभ्यता के पक्ष में खुलकर बोलने और लिखने वाला कोई शख्स आज भी है। मौजूदा दौर में कलाकारों के भी गुट बन गए हैं, अलग-अलग राजनैतिक दलों से बहुत से कलाकारों की प्रतिबद्धताएं हैं, जो उनके कला क्षेत्र में भी झलकने लगती है। लेकिन राहत इंदौरी ने हमेशा हिंदुस्तान की तहजीब के पक्ष में लिखा और इस तहजीब के राजनीतिकरण की जमकर खबर ली। लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है। सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में, किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है। ये लाइनें पढ़ने में जितनी आसान लगती हैं, क्या लिखने में भी उतनी ही आसान रही होंगी। इस सवाल का जवाब तो राहत इंदौरी ही दे सकते थे। लेकिन इन दो लाइनों में उन्होंने हिंदुस्तानियत का सारा फलसफा बयां कर दिया और धर्म, जाति के नाम पर दूसरों को सताने वालों को चेतावनी भी दे दी। इकबाल ने सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा, लिख कर यही बताने की कोशिश की थी कि सभी लोगों को साथ लेकर मिल-जुलकर रहने के कारण ही हिंदोस्तां दुनिया के बाकी देशों से अलहदा है और उसी बात को ठेठ देसी अंदाज में लिखकर राहत इंदौरी ने समझाने की कोशिश की कि किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है, यानी इस पर कोई अपनी मिल्कियत न समझे, ये सबका है, सब इसके हैं। उनकी ये पंक्तियां एनआरसी और सीएए विरोधी आंदोलनों का प्रतीक बन गई थीं और न जाने कितने बार, कितने लोगों ने इन्हें हाल-फिलहाल में उद्धृत किया। यही राहत इंदौरी की शायरी की खूबी थी कि वे बड़ी से बड़ी बात को सहजता से व्यक्त कर देते थे। बशीर बद्र, निदा फाजली, अदम गोंडवी, मुनव्वर राणा जैसे शायरों की तरह उनकी शायरी आम आदमी की जुबां पर चढ़ गई। वे जितनी सहजता से लिखते थे, उतनी ही खूबसूरती से मंच पर अपनी शायरी को आवाज देते थे। उनके कहने का तरीका भी लोगों को बेहद पसंद आता था। समकालीन राजनीति की हलचलों पर उनकी पैनी नजर थी और गलत को गलत कहने का साहसी जज्बा उनमें कूट-कूट कर था। इसी साल जनवरी में हैदराबाद में सीएए-एनआरसी के खिलाफ आयोजित मुशायरे में उन्होंने कहा था कि- साथ चलना है तो तलवार उठा मेरी तरह, मुझसे बुजदिल की हिमायत नहीं होने वाली। यह एक संदेश था उन लोगों के लिए जो सोशल मीडिया पर ही सारी क्रांति कर देते हैं और चाहते हैं कि उनके हक के लिए कोई और आवाज उठाए। अभी देश राम मंदिर के भूमिपूजन की खुशियां मना रहा है। बहुत से लोग यह समझाने की कोशिश भी कर रहे हैं कि इससे हिंदू-मुस्लिम एकता बढ़ेगी, लेकिन मस्जिद गिराने के दोषी अब भी सजा से बचे हुए हैं और यह एक कड़वी सच्चाई है कि एक ऐतिहासिक धरोहर धर्म की राजनीति की भेंट चढ़ गई। इस दुख को राहत इंदौरी ने कुछ इस तरह बयां किया था कि- टूट रही है, हर दिन मुझमें एक मस्जिद, इस बस्ती में रोज दिसंबर आता है। राष्ट्रवाद और देश की रक्षा के नाम पर सियासी फायदा कैसे लिया जाता है, इसका सटीक विश्लेषण उन्होंने इन पंक्तियों में किया था- सरहद पर तनाव है क्या? जरा पता तो करो चुनाव है क्या?कोई आश्चर्य नहीं अगर हुक्मरान ऐसे अशआर सुनकर तिलमिला न जाते हों। चुनाव के वक्त सर्जिकल स्ट्राइक और पाकिस्तान का नाम लेने का जो चलन पड़ गया है, वे इसी बात का तो प्रमाण हैं। केवल राजनैतिक ही नहीं समसामयिक तमाम तरह के हालात राहत इंदौरी की शायरी का विषय बने। बेरोजगारी की समस्या पर बड़ी खूबसूरती से उन्होंने नौजवानों की उदासी और पीड़ा को व्यक्त किया-कालेज के सब बच्चे चुप हैं, कागज की एक नाव लिए, चारों तरफ दरिया की सूरत फैली हुई बेकारी है। इसी तरह बढ़ते प्रदूषण पर उन्होंने लिखा- शहर क्या देखें कि हर मंजर में जाले पड़ गए, ऐसी गर्मी है कि पीले फूल काले पड़ गए। राहत इंदौरी जितनी खूबसूरती से शायरी में रंग भरते थे, उसी तरह रेखाओं को आवाज देते थे। वे एक बेहतरीन चित्रकार थे और उनके बनाए साइनबोर्ड, पोस्टर भी जनता खूब पसंद करती थी। राहत इंदौरी ने उर्दू अध्यापन को आजीविका के लिए चुना था, लेकिन इससे पहले वे मुफलिसी के दिनों में चित्रकारी से रोजगार कमाते थे। बाद में वे मंच के शायर के रूप में देश-विदेश में प्रसिद्ध हुए और उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस, सर, खुद्दार, मर्डर, मिशन कश्मीर, करीब, तमन्ना और बेगम जान जैसी कई फिल्मों के गीत भी लिखे। एम बोले तो मास्टर में मास्टर से लेकर बूम्बरो बूम्बरो श्याम रंग बूम्बरो जैसे गीतों में उनके हुनर की विविधता झलकती है। एक ही नदी के हैं ये दो किनारे दोस्तो, दोस्ताना जिंदगी से मौत से यारी रखो, जैसी सीख देने वाले राहत इंदौरी ने कोरोना की खबर भी खूब ली थी कि- शाखों से टूट जाए, वो पत्ते नहीं हैं हम, कोरोना से कोई कह दे कि औकात में रहे। कोरोना ने भले उन्हें मौत का तोहफा दिया, लेकिन राहत इंदौरी ने यह लिखकर पहले ही अपनी जीत निश्चित कर ली थी कि- मैं जब मर जाऊं, मेरी अलग पहचान लिख देना, लहू से मेरी पेशानी पे हिंदुस्तान लिख देना। ऐसे हिंदुस्तानी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी, जब उनके दिए संदेशों को जमाना सुनेगा और समझेगा।

सार समाचार .....

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2020 से हटे रामनरेश सरवन, व्यक्तिगत कारणों का दिया हवाला

जमैका, **एजंसी।** – कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) की,फ्रेंचाइजी टीम जमैका तलावास के सहायक कोच रामनरेश सरवन नेनिजी कारणों के मद्देनजर लीग के इस सीजन से हटने का फैसला लिया है। सरवन की अनुपस्थिति में वेस्टइंडीज के पूर्व स्पिनर रयान ऑस्टिन और विनोद महाराज को सहायक कोच नियुक्त किया गया है। जमैका तलावास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेफ मिलर ने त्रिनिदाद व टोबैगो न्यूजडे से कहा कि सरवन ने व्यक्तिगत कामों के लिए छुट्टी मांगी, जिसे स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा, सरवन के टीम से जुड़े रहने से काफी फायदा मिलता है। उन्होंने जिस तरह से इतने वर्षों तक क्रिकेटरों को अहम सलाह दी, उनका अनुभव और जानकारी, इन सभी चीजों का हमें इस सत्र में नुकसान होगा।÷जमैका तालावास की टीम सीपीएल 2020 में अपना पहला मुकाबला 19 अगस्त को सेंट लूसिया जोकस के खिलाफ खेलेगी। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले ही सरवन को एक विवाद का सामना करना पड़ा था। तालावास के स्टार क्रिकेटर क्रिस गेल ने सरवन पर जमैका टीम से हटाने का आरोप लगाया जिन्होंने गेल को 2020 सत्र के लिए रिटेन नहीं किया था। गेल ने कहा था, ÷सरवन आप कोरोना वायरस के भी खराब हैं। जमैका के साथ जो हुआ उसमें आपका बड़ा हाथ था।

आईपीएल से पहले रॉयल्स को झटका, फील्डिंग कोच दिशांत निकले पॉजिटिव, दुबई होना था रवाना

नयी दिल्ली एजंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स ने बुधवार को घोषणा की कि उनके फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है। लुभावनी टी-20 लीग में हिस्सा लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना होने से कुछ दिन पहले ऐसा हुआ, जो 19 सितंबर से 10 नवंबर तक खेली जाएगी।

मैनचेस्टर में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन इससे पहले वेस्टइंडीज सीरीज में उन्होंने दमदार प्रदर्शन करते हुए टीम को सीरीज दिलाई थी। स्टोक्स वह खिलाड़ी हैं, जो किसी भी वक्त, कहीं से भी मैच का पासा पलट सकते हैं। इस बात को वो कई बार साबित कर चुके हैं।

बेन स्टोक्स के बिना ही पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज कब्जाने उतरेगा इंग्लैंड

साउथम्पटन | एजंसी।

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच गुरुवार से यहां के एजेस बाउल पर शुरू होगा, जहां मेहमान टीम सीरीज बराबर करने और मेजबान टीम सीरीज हथियाने उतरेगी। इंग्लैंड ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। इंग्लैंड हालांकि इस मैच में बेन स्टोक्स के बिना उतरेगी जो पारिवारिक कारणों से न्यूजीलैंड गए हैं।उनका न रहना इंग्लैंड के लिए नुकसान ही है, जिसकी भरपाई शायद ही कोई कर सकता है। स्टोक्स के बाहर जाने से जेम्स एंडरसन को एक और मौका मिल सकता है। एंडरसन को हाल ही में संन्यास की अफवाहों ने घेर लिया था, जिससे उन्होंने इनकार किया है।

वहीं पाकिस्तान को निश्चित तौर पर पहले टेस्ट मैच की गलतियां से सीखना होगा। पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान के गेंदबाजों इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया था, लेकिन दूसरी पारी में टीम मेहमान टीम जोस बटलर और क्रिस वोक्स को नहीं निपटा सकी, जिसके कारण उसे हार मिली। हार के बाद कप्तान अजहर अली की कप्तानी का काफी आलोचना हुई थी। कोच मिस्बाह-उल-हक ने भी इस बात को माना था कि सिर्फ एक दिन खराब होने के कारण टीम मैच हार गई। पाकिस्तान के लिए जरूरी है कि वह अपने खेल में निरंतरात रखे और हाथ आए मौकों को भुनाए। बल्लेबाजी में पिछले मैच में शान मसूद, बाबर आजम का बल्ला चला था लेकिन कोई और बल्लेबाज ज्यादा प्रभावित नहीं किया था। बाकी बल्लेबाजों को भी समय पर रन करने होंगे।

केंटुकी में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट : सेरेना बहनें 31वीं बार होंगी आमने-सामने

न्यूयार्क, एजंसी। अमेरिकी टेनिस स्टार खिलाड़ी सेरेना विलियम्स की बहन वीनस विलियम्स का कहना है कि केंटुकी में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के दौरान दोनों के बीच होने वाला मुकाबला काफी विशेष होगा। दोनों बहनें एक दूसरे के खिलाफ 31वीं बार आमने सामने होंगी। वीनस ने कहा, 'यह काफी विशेष है। हम फिर एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगी।' 2 पूर्व नंबर एक रैंकिंग की महिला खिलाड़ियों और मिलकर 30 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीत चुकीं (सेरेना 23 और उनकी बड़ी बहन वीनस 7) खिलाड़ियों के लिये यह मौका होगा कि वे देख सकें कि खेल से करीब 6 महीने दूर रहने के बाद उनके खेल का स्तर कैसा है। साथ ही दर्शकों के लिये भी यह टेनिस वापसी के दौरान बेहतरीन मैच देखने का मौका होगा क्योंकि कोरोना वायरस के कारण खेल गतिविधियां ठप हो गयी थीं।

एडम गिलक्रिस्ट ने आखिर संन्यास पर तोड़ी चुप्पी, बताया किस वजह से क्रिकेट को कहा था अलविदा

नई दिल्ली | एजंसी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने टेस्ट से संन्यास के 12 साल बाद इस बात की पुष्टि की कि एडिलेड में वीवीएस लक्ष्मण का कैच टपकाने के बाद ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट छोडऩे का फैसला कर लिया था। उनका मानना है कि भारत के दिग्गज बल्लेबाज लक्ष्मण और ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने 2000 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए मुश्किलें खड़ी कीं थीं। 48 साल के गिलक्रिस्ट ने टीवी प्रजेंटर मडोना टिक्सेइरा के शो लाइव कनेक्ट पर कहा कि लक्ष्मण भारत के बाकी बल्लेबाजों के साथ हमारे खिलाफ काफी रन बनाते थे और फिर इसके बाद हरभजन आकर हमारे विकेट लेते थे। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मण ने अपने टेस्ट करियर के दौरान (1998-2012) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 49.67 के एवरेज से 2434 रन बनाए थे, जिसमें उनके छह शतक और 12 अर्द्धशतक शामिल थे। गिलक्रिस्ट ने 2008 में एडिलेड में भारत के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में संन्यास की घोषणा कर दी थी। ऐसी खबरें थी कि उन्होंने यह फैसला लक्ष्मण का कैच छोडऩे के बाद लिया था। भारत के खिलाफ उस सीरीज के चौथे टेस्ट के बीच में ही गिलक्रिस्ट ने अपने संन्यास की घोषणा कर सभी को चौंका दिया थाद्ध ऑस्ट्रेलिया ने वह सीरीज 2-1 से जीती थी। 12 साल बाद अब उन्होंने चुप्पी तोड़ी।

उन्होंने कहा कि अगर आप टेस्ट मैच में लक्ष्मण का कैच छोड़ते हैं तो मुझे लगता है कि यह संन्यास लेने का अच्छा कारण है। आप उन्हें ज्यादा मौके नहीं दे सकते। गिलक्रिस्ट ने कहा कि वह हमेशा अच्छे फॉर्म में रहते हुए संन्यास लेना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जहां तक संन्यास की बात है तो मैं हमेशा यह सोचता था कि मैं तब संन्यास लूंगा जब लोग कहेंगे कि आप खेलते रहो न कि आप संन्यास क्यों नहीं ले लेते। गिलक्रिस्ट ने 396 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 905 शिकार किए, जिनमें 813 कैच और 92 स्टंपिंग शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्क बाउचर (998) के बाद उनका यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की राय

बेंगलुरु , **एजंसी।**,भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का कहना है कि पूर्व खिलाड़ियों को जितना हो सके उतना अधिक राज्य टीम में इस्तेमाल करना चाहिए। बीसीसीआई द्वारा आयोजित सभी राज्य इकाइयों के लिए आयोजित वेबीनार में नेशनल क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष द्रविड़ ने यह बात कही। विभिन्न राज्य यूनिट्स के सचिव और ऑपरेशंस हेड इस वेबीनार का हिस्सा थे। इसमें बीसीसीआई-एनसीए के एजुकेशन अध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर (पूर्व भारतीय वनडे सलामी बल्लेबाज) और ट्रेनर आशीष कौशिक भी शामिल थे। इस वेबीनार में मुख्य रूप से फिटनेस डाटा कलेक्शन और कोविड-19 के दौर में फिटनेस ट्रेनिंग को चालू करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। द्रविड़ ने इस बीच प्रशासकों का ध्यान कई परिस्थितियों और मुश्किल वक्त में काम करने के तरीकों की ओर दिलाया। एक राज्य इकाई के सदस्य ने बताया, राहुल ने कभी नहीं कहा कि यह करना अनिवार्य है, लेकिन यह राज्य इकाइयों को सलाह है कि उन्हें पूर्व खिलाड़ियों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में आजमाना चाहिए। अगर हम उन्हें क्रिकेटिंग सेटअप में शामिल कर सकें तो उनका अनुभव और विशेषज्ञता बेकार नहीं जाएगी।

बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच कोई टकराव नहीं, बस हालात ठीक नहीं होते

नई दिल्ली। **एजंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन अहसान मनी का कहना है कि पीसीबी और बीसीसीआई के प्रशासकों के बीच रिश्ते अच्छे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से क्रिकेटीय रिश्ते वैसे नहीं हैं। मनी इसके पीछे दोनों देशों की राजनीतिक परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। मनी ने कहा कि आज भी दोनों बोर्ड के बीच रिश्ते बहुत अच्छे हैं। आईसीसी में भारत का प्रतिनिधित्व बहुत अच्छे लोग करते हैं। न सिर्फ बोर्ड स्तर पर, बल्कि चीफ एग्जिक्यूटिव स्तर पर भी। यह दुर्भाग्य की बात है कि जब बात क्रिकेटीय संबंधों की आती है तो मामला राजनीतिक हो जाता है। आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष रहे मनी ने भरोसा जताया कि दोनों देशों के ऱजनेता भी भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट शुरू करने की अहमियत को समझेंगे।

भारत में नहीं इन दो देशों में होगा टी-20 वर्ल्ड कप 2021

नई दिल्ली। **एजंसी।** कोरोना वायरस ने साल 2020 को बुरी तरह बर्बाद कर दिया है. इसी वजह से इस साल खेल जगत के बड़े-बड़े टूर्नामेंट इस चाइनीज वायरस की भेंट चढ़ गए हैं. उनमें से एक है फटाफट क्रिकेट का महाकुंभ यानि टी20 वर्ल्ड कप, जो अगले साल तक के लिए टाल दिया गया है. दरअसल पिछले सप्ताह ही आईसीसी ने यह ऐलान किया था कि साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 वर्ल्ड कप साल 2021 में भारत में खेला जाएगा, जबकि 2022 में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया करेगा. लेकिन अब खबर यह आ रही है कि अगर किसी वजह से टी20 वर्ल्ड कप 2021 भारत में नहीं हो पाता तो वो कौन से देश होंगे जहां इसे आयोजित किया जा सकता है। गौरतलब है कि ये दावा किया जा रहा है कि जिस तरह से मौजूदा समय में कोरोना वायरस भारत में अपने पांव पसारे हुआ , उससे हालात बेहद खराब हैं. भारत में कोरोना वायरस के मामले 22 लाख से ज्यादा पहुंच चुके है,

राजस्थान रायल्स के फील्डिंग कोच को कोरोना

नई दिल्ली , एजंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स ने बुधवार को घोषणा की कि उनके क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है। यह लीग फ्रेंचाइजी में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला है। लुभावनी टी20 लीग में हिस्सा लेने के लिये टीम को अगले हफ्ते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिये रवाना होना है जो 19 सितंबर से 10 नवंबर तक खेली जायेगी। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए आईपीएल के 13वें चरण को यूएई में कराने का फैसला किया गया। फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा,'राजस्थान रायल्स यह सूचित करना चाहता है कि उनके क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है।' इसमें कहा गया, 'यह परीक्षण यह ध्यान में रखते हुए किया गया कि टीम सदस्यों को यूएई के लिये फ्लाइट पकड़ने के लिये अगले हफ्ते मुंबई में इकट्ठा होना है।' इसमें कहा गया, 'फ्रेंचाइजी ने यूएई की यात्रा करने वाले सभी खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और प्रबंधन के लिये भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सिफारिश की गयी दो जांच के अलावा एक अतिरिक्त परीक्षण कराने का फैसला किया था।'

कोरोना वायरस से उबरा भारत का ये तिहरा शतकधारी क्रिकेटर

नई दिल्ली , एजंसी।

देश में कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते कहर के बीच सेलिब्रेटी भी इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आने से नहीं बच पा रहे हैं. टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले दो भारतीय क्रिकेटरों में से एक करुण नायर (Karun Nair) भी इस जानलेवा महामारी की चपेट में आ गए थे. लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशी की खबर ये कही जा सकती है कि करुण अब कोविड-19 (कोरोना वायरस) के प्रकोप से उबर गए हैं और पूरी तरह फिट हो चुके हैं. करुण नायर कोरोना टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे. इसकी वजह से उन्हें 2 हफ्ते से ज्यादा वक्त के लिए सेल्फ आइसोलेशन में रहना पड़ा था. वह इस महामारी की चपेट में आने वाले पहले हाई प्रोफाइल भारतीय क्रिकेटर हैं. हालांकि नायर का 8 अगस्त को कराया गया कोरोना टेस्ट निगेटिव पाया गया है यानी अब वे इस महामारी से उबर चुके हैं. दरअसल करुण नायर को कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी उस समय मिली थी, जब उनकी आईपीएल (IPL) टीम किंग्स इलेवन पंजाब (Kings XI Punjab) ने यूएई में कैंप लगाने के लिए अपने क्रिकेटरों के टेस्ट कराने शुरू किए थे.

प्रतिबंध के बाद बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की होगी वापसी, इस सीरीज में मिल सकता है मौका

33 साल के शाकिब के चयन से पहले हालांकि उनकी फिटनेस पर विचार किया जाएगा. कोच ने कहा, 'किसी भी तरह का क्रिकेट खेले बिना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना काफी मुश्किल है. मुझे लगता है कि हमें उन्हें कुछ मैच खेलने का मौका देना होगा.

नई दिल्ली | एजंसी।

भ्रष्ट संपर्क की जानकारी नहीं देने के लिए प्रतिबंध का सामना कर रहे बांग्लादेश के शीर्ष ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के इस साल श्रीलंका दौरे के दौरान राष्ट्रीय टीम में वापसी करने की संभावना है. शाकिब का प्रतिबंध 29 अक्टूबर को खत्म हो रहा है. इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान एक कथित भारतीय सट्टेबाज द्वारा भ्रष्ट संपर्क की जानकरी नहीं देने पर शाकिब को दो साल के लिए प्रतिबंधित किया गया था, जिसमें एक साल की सजा निलंबित थी. बांग्लादेश का श्रीलंका दौरा लगभग तय है और कार्यक्रम को देखते हुए शाकिब तीन मैचों की प्रस्तावित टी20 सीरीज का हिस्सा हो सकते हैं. 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' ने बांग्लादेश के मुख्य कोच रसेल डोमिंगो के हवाले से कहा, 'शाकिब का एक साल तक बाहर रहना टीम के बाकी खिलाड़ियों से अधिक अलग नहीं है, जो 6-7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं.' उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि सभी खिलाड़ी फिट होंगे. बेशक फिटनेस स्तर को लेकर मानक मौजूद हैं, जिन्हें उन्हें हासिल करना होगा. हमें शाकिब और अन्य खिलाड़ियों को मैच खेलने का मौका देना होगा.' वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं इसलिए मुझे यकीन है कि वह जल्द ही लय हासिल कर लेंगे, लेकिन फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण चीज है. खबरों के अनुसार श्रीलंका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहन डि सिल्वा ने कहा है कि दोनों बोर्ड के बीच बांग्लादेश के रवाना होने की तारीख पर सहमति बन गई है, जो 24 सितंबर तय की गई है. दोनों बोर्ड हालांकि अब भी दो या तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर चर्चा कर रहे हैं क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुरुआती कार्यक्रम में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज को शामिल करने का आग्रह किया था।

इन 4 टीमों ने IPL में बनाया है सबसे ज्यादा बार 200 का स्कोर

सीएसके की टीम का सबसे अधिक स्कोर साल 2010 में राजस्थान रॉयल्स के विरुद्ध आया था, जब टीम ने 246-5 रन बनाए. इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा बार 200 प्लस का स्कोर बनाने की बात हो तो इस काम में विराट कोहली की टीम आरसीबी (RCB) पहले नंबर पर काबिज है.

नई दिल्ली | एजंसी।

साल 2008 वो साल रहा जहां से भारतीय क्रिकेट में आईपीएल के रूप में एक नए युग की शुरूआत हुई. देखते ही देखते मौजूदा वक्त में इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट दुनिया की 20 ओवर वाली सबसे बड़ी लीग बन गई है. हालांकि कई मौके पर ये टीम इतने विशाल लक्ष्य पर भी जीत नहीं पाई हैं. मजेदार किस्सा यह रहा है कि आईपीएल इतिहास के पहले मैच में ही कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम की तरफ से 222-3 का बड़ा स्कोर समाने आया था. 4 बार की आईपीएल चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार 200 के स्कोर बनाने के मामले में चौथे पायदान पर है. मुंबई इंडियंस ने आईपीएल इतिहास के 12 सालों में 11 बार 200 का आंकड़ा पार किया है. वहीं गौर किया जाए मुंबई इंडियंस के सर्वोच्च स्कोर की तरफ, तो साल 2017 में इस टीम ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 20 ओवर में 223-6 रनों का स्कोर बनाया था. मुंबई इंडियंस ने ये रन टारगेट का पीछा करते वक्त बनाए थे, इसके बावजूद टीम को हार का मुंह देखना पड़ा. किंग्स इलवेन पंजाब आईपीएल की वो टीम है, जिसमें केएल राहुल और क्रिस गेल जैसे धाकड़ खिलाड़ी शामिल हैं, जो अपने बल्ले से रनों की बौछार करने से कभी भी चूकते नहीं हैं. किंग्स इलवेन पंजाब के इतिहास पर नजर डाली जाए तो पंजाब की टीम ने 12 बार आईपीएल में 200 या उससे अधिक का आंकड़ा पार किया है. इसके साथ ही पंजाब ने साल 2011 में आरसीबी के खिलाफ 232 रन का बेस्ट स्कोर बनाया था। भारत के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल की सबसे कामयाब टीम में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान भी संभालते हैं. चेन्नई सुपरकिंग्स आईपीएल के हर क्षेत्र में कारगर साबित होती है. तो भला IPL में सबसे अधिक बार 200 का स्कोर बनाने की बात हो और सीएसके उसमें पीछे रह जाए. चेन्नई टीम ने आईपीएल में 16 बार 200 से ऊपर का आंकड़ा अर्जित किया है और इस मामले में चेन्नई दूसरे नंबर पर है. सीएसके की टीम का सबसे अधिक स्कोर साल 2010 में राजस्थान रॉयल्स के विरुद्ध आया था, जब टीम ने 246-5 रन बनाए. इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा बार 200 प्लस का स्कोर बनाने की बात हो तो इस काम में विराट कोहली की टीम आरसीबी (RCB) पहले नंबर पर काबिज है. आईपीएल के 12 साल के इतिहास में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने सबसे ज्यादा 18 बार 200 का स्कोर बनाया है. हालांकि इतने बार 200 बनाने के बाद भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर एक बार भी आईपीएल की खिताब अपने नाम नहीं कर पाई है।

5 खिलाड़ी IPL में सबसे ज्यादा बार हुए हैं शून्य पर आउट

नई दिल्ली | एजंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का आयोजन इस साल भारत की सरजमीं पर नहीं बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के मैदानों पर किया जाएगा. 12 साल के आईपीएल इतिहास में कई रिकॉर्ड कायम हुए हैं. ऐसे में कुछ रिकॉर्ड इन 12 सालों में ऐसे भी रहे हैं, जिन्हें कभी भी कोई खिलाड़ी दोबारा बनाना नहीं चाहेगा. दरअसल हम इस लेख में चर्चा करेंगे आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ियों के बारे में. बदकिस्मती की बात ये है कि आईपीएल में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले सभी 5 खिलाड़ी भारतीय हैं. भारतीय टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का नाम इस लिस्ट में सबसे ऊपर है. भज्जी अपने आईपीएल करियर के दौरान 13 बार शून्य पर आउट हुए हैं. जोकि किसी और खिलाड़ी से सबसे ज्यादा है. हालांकि हरभजन सिंह में बल्लेबाजी करने के काबियलित भी है, भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में हरभजन सिंह ने 2 शतक भी लगाए हैं. भारत के लिए सबसे कम उम्र में विकेटकीपिंग करने वाले खिलाड़ी पार्थिव पटेल आईपीएल में सबसे अधिक बार 0 पर आउट होने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं. पार्थिव इस मामले में हरभजन सिंह की बराबरी कर रहे हैं, जिसके हिसाब से पार्थिव ने भी आईपीएल में 13 बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड बनाया है।लेग स्पिन के जादूगर गेंदबाज पीयूष चावला अपनी गेंदबाजी के लिए काफी जाने जाते हैं. लेकिन पीयूष के नाम भी आईपीएल में सबसे अधिक 12 बार शून्य पर आउट होने का खराब रिकॉर्ड दर्ज है. टीम इंडिया के मध्यक्रम के बल्लेबाज मनीष पांड्ये अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए आईपीएल मेगास्टारों की लिस्ट में पहले से ही मौजूद हैं. लेकिन इस लीग में सबसे अधिक मौकों पर खाता भी न खोल पाने के मामले में मनीष का नाम भी दर्ज है, जो बेहद चौंकाने वाला साबित होता है. मनीष पांड्ये भी अपने आईपीएल करियर के दौरान 12 बार बिना खाते खोले पवेलियन वापस लौटें हैं. हालांकि मनीष पांड्ये आईपीएल में अपने उम्दा खेल के लिए मशहूर हैं। एक और ऐसा नाम जो आईपीएल की इस अनचाही रिकॉर्ड लिस्ट में शामिल है, वो नाम है टीम इंडिया के दाएं हाथ के बल्लेबाज अंबाती रायडू का. जी हां मनीष पांड्ये और पार्थिव पटेल के बाद अम्बाती रायडू तीसरे ऐसे स्पेशलिस्ट बल्लेबाज हैं जो आईपीएल में सबसे अधिक बार शून्य (0) पर आउट हुए हैं।

गौर करें रायडू के इस खराब रिकॉर्ड के आंकड़ें पर तो 12 बार वह आईपीएल में अपने स्कोर में 1 रन भी

नाई की दुकान में जाने पर आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जुर्माना

ब्रिसबेन,, एजंसी।

कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू पृथकवास के नियमों को तोड़कर नाई की दुकान में जाने के लिए नेशनल रग्बी लीग (एनआरएल) के खिलाड़ी तेविता पेंगई जूनियर पर 30 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर (21350 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें टीम के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से जाने को कहा गया है। एनआरएल के अंतरिम प्रमुख

एंड्रयू एब्डो ने बुधवार को कहा कि ब्रिसबेन ब्रोनकोस के फारवर्ड तेविता ने कई नियमों का उल्लंघन किया और नियमों का अनादर किया।

महिमा चौधरी के आरोपों पर सुभाष घई का जवाब, बताया क्यों तोड़ा था कॉन्ट्रैक्ट

अभिनेत्री महिमा चौधरी के आरोपों के बाद निर्देशक सुभाष घई ने एक बयान जारी किया है जो हैरान करनेवाला है. उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म परदेस की रिलीज के बाद दोनों के बीच एक छोटा सा विवाद हुआ था. लेकिन जब महिमा चौधरी ने उनसे माफी मांगी थी तो सबकुछ पहले जैसा हो गया था. सुभाष घई ने यह भी कहा कि, वह अभिनेत्री के अच्छे दोस्त है और अभी भी वह उनके कॉन्टैक्ट में हैं. फिल्म परदेस के बाद जो भी कुछ हुआ था उसके बारे में खुलकर बात की है. डायरेक्टर ने कहा, साल 1997 में परदेस की रिलीज के बाद एक छोटा सा विवाद हुआ था. फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी और महिमा को बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था. उन्होंने आगे कहा, उन्हें मेरी कंपनी ने कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करने के लिए शो-कॉज नोटिस भेजा था. इस बारे में मीडिया और इंडस्ट्री में खूब बातें हो रही थीं. जिसके बाद मैंने मुक्ता आर्ट्स के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था. इसके तीन साल बाद वह परिवार के साथ आई और उन्होंने माफी मांगी. जिसके बाद सारी चीजें साफ हो गई और हम दोस्त बन गये.बता दें कि महिमा चौधरी ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में सुभाष घई पर आरोप लगाते हुए कहा था कि, मुझे मिस्टर सुभाष घई ने बुली किया. वो मुझे कोर्ट तक लेकर भी गई और मेरा पहला शो भी कैंसिल करना चाहते थे. वो दौर बहुत ही तनावपूर्ण था. उन्होंने सभी प्रोड्यूसर्स को मैसेज भेज दिया कि मेरे साथ किसी को काम नहीं करना चाहिए। जब श्रीदेवी की मौत के बाद रामगोपाल वर्मा ने बताया था-बोनी की मां ने सरेआम एक्ट्रेस को मारा था पेट में घूंसा महिमा ने आगे कहा था, अगर आप 1998 और 1999 के मैगजीन का कोई इश्यू उठाकर देखें तो उन्होंने एड दिया था कि अगर किसी को मेरे साथ काम करना है तो पहले उनसे कॉन्टैक्ट करें नहीं ये कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन होगा. लेकिन मैंने ऐसा कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया था, जिसमें लिखा हो मुझे उनकी इजाजत लेनी होगी. महिमा ने बताया कि उस दौर में सलमान खान, संजय दत्त, डेविड धवन और राजकुमार संतोषी ही उनके साथ खड़े रहे थे. डेविड धवन ने मुझसे कहा था कि उसे तुम्हें बुली मत करने दो, मजबूत रहो. इसके अलावा मुझे किसी का कॉल नहीं आया. बता दें कि फिल्ममेकर सुभाष घई की नजर महिमा चौधरी पर पड़ी और उन्होंने फिल्म परदेस में उन्हें पहला ब्रेक दिया था. यही उनकी लाईफ का सबसे बड़ा टर्निंग प्वांइट था. वर्ष 1997 में रिलीज हुई परदेस में महिमा अभिनेता शाहरुख खान रोमांस करती नजर आई थी. अपनी पहली ही फिल्म के लिए महिमा फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ नवोदित कलाकार के अवार्ड से सम्मानित हुई।

क्या फिर से मां बनने वाली हैं करीना कपूर खान,अब जल्द होगी तैमूर के बाद घर में दूसरे मेहमान की एंट्री

सैफअली खान और करीना कपूर खान के बेटे तैमूर अली खान सोशल मीडिया पर काफी पसंद किए जाते हैं। अक्सर ऐसा होता है जब तैमूर की फोटोज आते ही इंटरनेट पर खूब वायरल भी हो जाती हैं। खैर,हाल ही में करीना कपूर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। कुछ खबरों की माने तो शायद यह कपल जल्द ही अपने दूसरे बच्चे को वेलकम करने वाला है। वैसे तो फैन्स भी करीना से दूसरे बच्चे के बारे में जानने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं और उनसे यह सवाल कई बार पूछा भी गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आई कुछ रिपोर्ट्स की माने तो करीना कपूर अपने दूसरे बच्चे को जल्द ही जन्म देने वाली हैं। इंटरनेट पर वायरल हो रही इस खबर में बताया गया कि अभी यह बात सिर्फ घर के लोगों और कुछ नजदीकी दोस्तों को ही मालूम है। इसके अलावा इस खबर को लेकर यह भी कहा गया लोग बहुत उत्साहित भी हैं। हालांकि अब इन रिपोर्ट्स में कितनी सच्चाई है इसके बारे में फिलहाल कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। दरअसल एक चौट शो में करीना ने बताया है कि वह और सैफ अपनी फैमिली बढ़ाना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि शायद 2 साल बाद वह दूसरे बच्चे के बारे में सोचेंगे। वैसे करीना जब तैमूर के वक्त प्रेग्नेंट हुई थीं तब भी सोशल मीडिया पर केवल उनकी ही चर्चा चलती रहती है और बेबी बंप के साथ उनकी तस्वीरें जमकर वायरल हुई थीं। प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो करीना कपूर जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान संग दिखाई देंगी। इसके अलावा उन्होंने करण जौहर की मल्टी स्टारर फिल्म तख्त भी साइन की हुई है जिसमें उनके साथ बॉलीवुड के कई मशहूर स्टार्स उनके साथ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

संजय दत्त की बीमारी को लेकर पत्नी मान्यता दत्त का सामने आया बयान, कहा- फाइटर हैं संजू

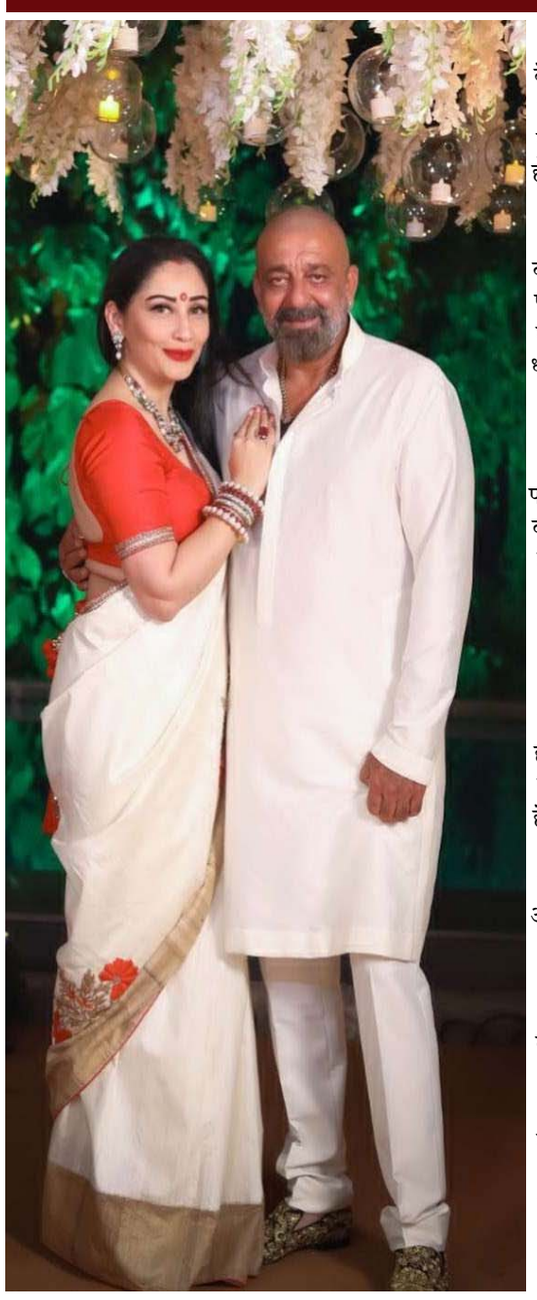

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त को स्टेज 3 का लंग कैंसर हुआ है। बीते मंगलवार रात को उनके कैंसर से ग्रसित होने की खबर मीडिया में आई, जिसके बाद उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआएं मांगी शुरू हो गईं। संजय दत्त के फैंस यह खबर सुनकर बेहद दुखी हो गए। हालांकि विदेश संजय दत्त अपने इलाज के लिए जल्दी ही रवाना हो जाएंगे। इसी बीच मान्यता दत्त ने संजय के कैंसर से ग्रसित होने पर बयान जारी किया है। संजय को कैंसर होने पर मान्यता ने अपने बयान में लिखा, मैं उन सभी का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने संजय के अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ की। इस मुश्किल घड़ी से निकलने के लिए हमें ताकत और दुआओं की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में हमारा परिवार कई तरह की परेशानियों से गुजरा है। लेकिन मुझे भरोसा है कि ये वक्त भी बीत जाएगा। मेरी संजू के फैंस के अपील है कि किसी भी तरह की अटकलों और अफवाहों पर भरोसा ना करें। हमारी बस अपने प्यार और सपोर्ट से मदद करें। मान्यता ने आगे लिखा, संजू हमेशा से ही फाइटर रहे हैं और इसलिए हमारा परिवार भी फाइटर है। भगवान ने एक बार फिर हमारा टेस्ट लिया है। वे देखना चाहते हैं कि कैसे हम इस चुनौती का सामना करेंगे। हमें बस आपके प्रार्थनाओं और आशीर्वाद की जरूरत है। हमें पता हैं हम जीतेंगे। जैसा कि हम हमेशा जीतते आए हैं। चलिए इस मौके का रोशनी और सकारात्मकता फैलाने में इस्तेमाल करें। दरअसल संजय दत्त को अचनाक 8 अगस्त को छाती में दर्द और सांस लेने मेंपरेशानी हो गयी थी जिसके बाद लीलावती अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया। अस्पताल से संजय को दो दिन में डिस्चार्ज मिल गया था। उस दौरान कोरोना टेस्ट भी संजय को हुआ था लेकिन उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी।संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट घर लौटने के बाद किया। संजय ने पोस्ट में लिखा, दोस्तों, मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए मैं शॉर्ट ब्रेक ले रहा हूं। मेरे दोस्त और परिवार के लोग मेरे साथ हैं और मैं चाहता हूं कि मेरे चाहने वाले परेशान न हों और बेकार की कयासबाजी भी न करें।

आइलैंड से लेकर प्राइवेट जेट तक, ये सारी चीजें खरीदना चाहती थीं रिया चक्रवर्ती

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मौत मामले में लगातार नये खुलासे हो रहे हैं. रिया चक्रवर्ती भी संदेह के घेरे में हैं और उनसे लगातार सवाल किये जा रहे है. इस बीच रिया का पुराना वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में एक्ट्रेस बता रही हैं कि वो क्या-क्या चीजें खरीदना चाहती हैं.बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का यह वायरल वीडियो उनके किसी एक इंटरव्यू का है, जिसमें उनसे पूछा जाता है कि वह अपनी लाइफमें क्या-क्या चीजें खरीदना चाहती हैं. वो कहती है कि उन्हें आइलैंड, प्राइवेट जेट और होटल जैसी चीजें खरीदना चाहती हैं. रिया वीडियो में कह रही हैं कि उन्हें होटल बहुत पसंद हैं इसलिए वह होटल भी खरीदना चाहती हैं. रिया अपनी सारी विश लिस्ट बताकर हंसने लगती हैं। वहीं, हाल ही में रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत के पिता द्वारा रिया चक्रवर्ती को किए गए मैसेज भी सामने आए हैं. ये मैसेज 2019 में केके सिंह ने रिया को किया था, जिसमें उन्होंने अपने बेटे का हाल पूछा था. टाइम्स नाउ की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सुशांत के पिता ने 2019 नवंबर में अपने बेटे का हाल जानने के लिए रिया को मैसेज किया था. इसके अलावा इसमें ये भी कहा गया कि उन्होंने श्रुति मोदी को भी मैसेज किया था. लेकिन दोनों ने कोई जवाब नहीं दिया.सुशांत के पिता ने मैसेज में लिखा था, जब तुम जान गई कि मैं सुशांत का पापा हूं तो बात क्यों नहीं की. आखिर बात क्या है? फ्रेंड बनकर उसका देखभाल और उसका इलाज करवा रही हो तो मेरा भी फर्ज बनता है कि सुशांत के बारे में सारी जानकारी मुझे भी रहे. इसलिए कॉल कर मुझे भी सारी जानकारी दो. बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती के साथ-साथ उनके परिजन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. इधर सुशांत सिंह मौत मामले की जांच के लिए एसआ गठित की गयी है. जिन छह लोगों के खिलाफकेस दर्ज किया गया है उसमें रिया चक्रवर्ती व उनके परिजन, इंद्रजीत चक्रवर्ती, संध्या चक्रवर्ती, शोविक चक्रवर्ती, सैमुअल मिरांडा, श्रुति मोदी, और अन्य।

फोर्ब्स की हाईएस्ट पेड एक्टर्स टॉप 10 लिस्ट में अक्षय कुमार ने जैकी चौन और विल स्मिथ को पीछे छोड़ा

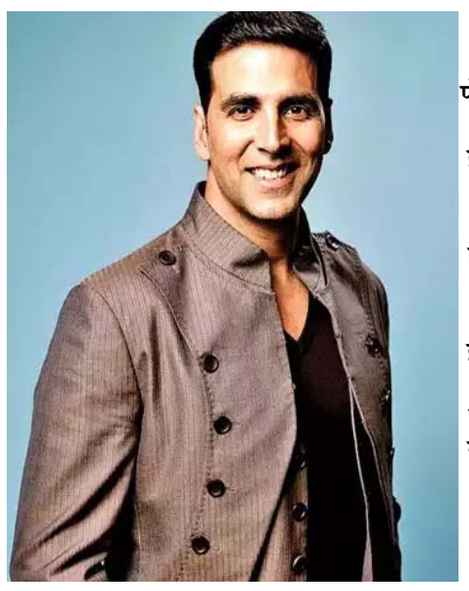

फोर्ब्स ने हर साल की तरह सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सेलेब्स की लिस्ट इस साल भी जारी की है। इस लिस्ट में बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार का नाम भी है। जी हां, आपने सही सुना अक्षय कुमार का नाम फोर्ब्स की सबसे अधिक कमाई करने वाले सितारों में शुमार है। इस साल भी फोर्ब्स ने टॉप 10 हाईएस्ट पेड एक्टर्स 2020 की लिस्ट का ऐलान किया है। बॉलिवुड एक्टर अक्षय कुमार ही ऐसे इकलौते भारतीय हैं जिनका नाम टॉप 10 में आया है। फोर्ब्स ने जो सबसे अधिक कमाई करने वाले मेल एक्टर्स की लिस्ट इस साल जारी करी है उसमें कई हॉलिवुड स्टार्स को अक्षय कुमार ने पीछे छोड़ा है। हॉलीवुड एक्टर ड्वेन जॉनसन इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। 1 जून 2019 से 1 जून 2020 तक ड्वेन ने 87.5 मिलियन डॉलर यानी 1402करोड़ रुपए की कमाई की है। हॉलिवुड अभिनेता रयान रेनॉल्ड्स इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इस साल 71.5 मिलियन डॉलर यानी 534 करोड़ रुपए की कमाई की। हॉलीवुड एक्टर मार्क वॉलबर्ग तीसरे नंबर पर फोर्ब्स की लिस्ट में हैं। 58 मिलियन डॉलर यानी 433 करोड़ की कमाई की। हॉलीवुड एक्टर-डायरेक्टर बेन एफ्लेक इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। 55 मिलियन डॉलर- 411 करोड़ रुपए की कमाई की। एक्टर विन डीजल इस लिस्ट पांचवें नंबर हैं। 54 मिलियन डॉलर यानी 403 करोड़ रुपये की कमाई की। इस लिस्ट में कई हॉलीवुड स्टार्स को अक्षय कुमार ने पीछे छोड़ते हुए छठे नंबर पर कब्जा किया है। 48.5 मिलियन डॉलर करीब 362 करोड़ की कमाई अक्षय कुमार ने की। हॉलीवुड एक्टर लिन मेनुएल मिरांडा इस लिस्ट में सातवें नंबर पर हैं और उन्होंने 45.5 मिलियन डॉलर यानी 340 करोड़ रुपये की कमाई की। एक्टर विल स्मिथ इस लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं और इनकी कमाई 44.5 मिलियन डॉलर यानी 332 करोड़ रुपये की है। एक्टर ऐडम सैंडलर इस लिस्ट में नौवें पर हैं और उनकी कमाई 41 मिलियन डॉलर यानी 306 करोड़ रुपये है। इस लिस्ट में जैकी चौन 10वें नंबर पर हैं। उनकी कमाई 40 मिलियन डॉलर यानी 299 करोड़ रुपये है।

रिया चक्रवर्ती और बिहार सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपा जवाब

सुशांत सिंह राजपूत केस को बिहार से मुंबई ट्रांसफर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों से जवाब मांगे थे। सुनवाई से पहले बिहार सरकार ने एससी में अपना जवाब रख दिया है। वहीं रिया चक्रवर्ती की तरफसे भी लिखित में जवाब दिया गया है। बता दें कि रिया चक्रवर्ती ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी थी कि केस को बिहार से मुंबई ट्रांसफर कर दिया जाए। 11 अगस्त को इस केस की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। बिहार सरकार और रिया के वकील ने अपनी-अपनी दलीलें दी थीं। बिहार सरकार ने अपने जवाब में दावा किया है कि उन्हें इस केस की जांच करने का अधिकार है। बिहार सरकार की तरफसे बताया गया कि कैसे मुंबई जांच के लिए पहंचे पुलिस अफसरों को मुंबई पुलिस ने सहयोग नहीं किया। साथ ही आईपीएस विनय तिवारी को क्वॉरंटीन कर दिया गया। बिहार के आईजीपी ने मुंबई अथॉरिटीज से क्वॉरंटीन खत्म करने की दरख्वास्त भी की थी लेकिन उनकी रिक्वेस्ट नहीं मानी गई। बिहार सरकार की तरफसे ये सारी दलीलें दी गई हैं। रिया चक्रवर्ती ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी है कि सुशांत के केस की थ्रू पटना से मुंबई ट्रांसफर कर दी जाए। आज (13 अगस्त) इस मामले की सुनवाई से पहले सुशांत की बहन के कुछ पोस्ट सामने आए। इनमें एक पोस्ट में श्वेता ने खुद वीडियो में लोगों से एक अपील की। इस वीडियो में वह हाथ जोड़कर लोगों से साथ देने की अपील कर रही हैं। वह कहती हैं, मैं श्वेता सिंह कीर्ति सुशांत सिंह राजपूत की बहन, आप सबसे रिक्वेस्ट करती हूं कि एक साथ आएं और सीबीआई जांच की मांग करें। हमें सच जानने का हक है। हम सुशांत के लिए न्याय चाहते हैं। वर्ना हमें पूरे जीवन शांति नहीं मिल पाएगी। श्वेता ने कुछ देर पहले ही इस मेसेज के साथ एक तस्वीर पोस्ट की थी। अब वीडियो सामने आया है। श्वेता कई वीडियो पोस्ट कर चुकी हैं जिनमें सुशांत के जीवन की कई झलकियां दिखाई दे रही हैं। सुशांत सिंह राजपूत केस की जांच मुंबई पुलिस कर रही थी। लगभग 40 दिन के बाद सुशांत के पिता ने पटना में रिया चक्रवर्ती के खिलाफरिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसके बाद रिया चक्रवर्ती ने केस मुंबई ट्रांसफर करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दी थी।

सुशांत के परिवार को अब मिल रही है सबक सिखाने धमकियां, बयान जारी कर रखी अपनी बात सामने

जहां एक ओर सुशांत सिंह राजपूत केस में रोजाना नए-नए चौंका देने वाले खुलासे हो रहा रहे है,तो अब परिवार का आरोप है कि उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। जी हां दरअसल सुशांत के परिवार ने अपना बयान जारी किया है,जिसमें उन्होंने नौ पेज की एक चिट्ठी जारी की है और कहा कि पूरे परिवार के ही चरित्र पर हमला हो रहा है। चिट्ठी की शुरुआत फिराक जलालपुरी के शेर से की गई है। चिट्ठी में लिखा है-तू इधर-उधर की ना बात कर ये बता कि काफिला क्यूं लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है। इसके आगे लिखा है कि अखबार पर अपना नाम चमकाने की गरज से कई फर्जी दोस्त, भाई, मामा बन अपनी अपनी हांक रहे हैं। ऐसे में बताना जरूरी हो गया है कि आखिर 'सुशांत का परिवार' होने का मतलब क्या है? सुशांत के माता पिता कमाकर खाने वाले लोग थे। उनके हंसते खेलते पांच बच्चे थे। उनकी परवरिश ठीक हो इसलिए नब्बे के दशक में गांव से शहर आ गए। रोटी कमाने और बच्चों को पढ़ाने में जुट गए। एक आम भारतीय माता पिता की तरह उन्होंने मुश्किलें खुद झेली। बच्चों को किसी बात की कमी नहीं होने दी। चिट्ठी में आगे लिखा है कि पहली बेटी में जादू था। कोई आया और चुपके से उसे परियों के देश ले गया। दूसरी राष्ट्रीय टीम के लिए क्रिकेट खेली। तीसरे ने कानून की पढ़ाई की तो चौथे ने फैशन डिजाइन में डिप्लोमा किया। पांचवां सुशांत था। पूरी उम्र सुशांत के परिवार ने ना कभी किसी से कुछ लिया और ना कभी किसी का अहित किया। सुशांत के परिवार को पहला झटका तब लगा जब मां असमय गुजर गई। फैमिली मीटिंग में फैसला हुआ कि कोई ये ना कहे कि मां चली गई और परिवार बिखर गया, सो कुछ बड़ा किया जाए। सुशांत के सिनेमा में हीरो बनने की बात उसी दिन चली। अगले आठ दस साल में वो हुआ जो लोग सपनों में देखते हैं लेकिन अब जो हुआ है वो दुश्मन के साथ भी ना हो।इसके बाद सुशांत के परिवार ने नाम लिए बगैर कुछ लोगों पर निशाना साधा और कहा, एक नामी आदमी को बदमाशों और लालचियों का झुंड घेर लेता है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।